हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें
Web:- www.jokhimnews.com
सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "A" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 307 देहरादून शनिवार 31 जनवरी 2026 मूल्य :रू 2 पृष्ठ : 8

आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के सपने को साकार करने में 'प्रगति पोर्टल' की अहम भूमिका : मुख्यमंत्री धामी

देहरादून संवाददाता. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को भारत सरकार के प्रगति पोर्टल विषय पर पत्र

सूचना कार्यालय, भारत सरकार (पीआईबी) देहरादून द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने इस दौरान राज्य में चल रही विभिन्न केंद्रीय परियोजनाओं के बारे में पत्रकारों को विस्तृत जानकारी दी। वार्ता के दौरान ध ामी ने जानकारी दी कि परियोजनाओं, योजनाओं एवं जन शिकायतों की त्वरित समीक्षा एवं समाधान के लिए पोर्टल-प्रो एक्टिव एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन (च्त्ळाज्) बनाया गया है। मुख्यमंत्री ध ामी ने कहा कि विभिन्न योजनाएं जो देश के अंदर संचालित होती हैं उनकी समीक्षा के लिए प्रगति पोर्टल डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत लॉन्च किया गया था। प्रगति पोर्टल भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों की निगरानी करता है और पोर्टल में आई समस्याओं का समाधान भी करता है। जिसकी वजह से विकास की योजनाएं तेजी से ध रातल पर उतरती हैं। मुख्यमंत्री ने इस दौरान कहा कि 2014 के बाद से देश में इंफ्रास्ट्रक्चर, परिवहन, रेलवे, आईटी, स्वास्थ्य सेवा, हवाई सेवा की योजनाएं तेजी से आगे बढ़ी हैं। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि मौजूदा समय में उत्तराखंड में 3.50 लाख करोड़ रुपये के कुल निवेश वाली 42 परियोजनाओं की निगरानी की जा रही है, इनमें से 1.22 लाख करोड़ रुपये के 15 हाई-वैल्यू प्रोजेक्ट्स का रिव्यू च्त्ळाज् मैकेनिज्म के तहत किया जा रहा है। इनमें से अब तक 10 योजनाएं सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी हैं और 32 परियोजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है। जो 32 परियोजनाएं अंडर इम्प्लीमेंटेशन हैं उनमें से 12 परियोजनाएं च्त्ळाज् पोर्टल के तहत मॉनिटर की जा रही हैं। इनमें सड़क और राजमार्ग की 19 परियोजनाएं, ष्ज/ष्जै की 3 परियोजनाएं, ऊर्जा उत्पादन की 3 परियोजनाएं, रेलवे की 2 परियोजनाएं, कृषि, उद्योग-वाणिज्य, शिक्षा, स्वास्थ्य समेत, अपशिष्ट और जल प्रबंधन में एक-एक परियोजनाएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि बड़ी परियोजनाएं जैसे चार धाम सड़क परियोजना पर तेजी से काम हुआ है। इसी प्रकार ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे लाइन देश की प्रमुख परियोजना है जो पहाड़ों के बीच से हमारे सुदूरवर्ती क्षेत्र तक पहुंच रही है। इस परियोजना का काफी काम पूरा हो चुका है और परियोजना के पूरा होते ही यह क्षेत्र पर्यटन, चार धाम आने वाले श्रद्धालुओं की दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा। साथ ही सामरिक रूप से भी इसका महत्व बढ़ेगा, क्योंकि कर्णप्रयाग तक रेलवे लाइन पहुंचने से मानसून वर्षाकाल में जो रास्ते अवरुद्ध हो जाते हैं। इस रेलवे लाइन के बिछने से लोगों का सफर आसान हो जाएगा। सीएम ध ामी ने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे परियोजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से ऋषिकेश, हरिद्वार, मसूरी, धनोल्टी, देहरादून आने वाले सभी देश-दुनिया के पर्यटक लाभान्वित होंगे। जल विद्युत परियोजनाएं जो राज्य की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण है उन सभी पर तेजी से काम चल रहा है। जिनकी समीक्षा प्रतिदिन भारत सरकार के प्रगति पोर्टल के माध्यम से हो रही हैं। आज आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत, डिजिटल इंडिया का सपना साकार हो रहा है जिसमें प्रगति पोर्टल का अहम रोल है। भागीरथी इको सेंसेटिव जोन के कारण जल विद्युत परियोजनाओं में आ रहे अवरोधों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य और केंद्र सरकार इस चुनौतिपूर्ण परेशानी को दूर करने के प्रयास करने में जुटी है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में आधुनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण और राज्य की आर्थिक प्रगति को नई गति देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने एक बड़ा और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय ने श्पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना(ैैब्) 2025-26श के तहत उत्तराखंड के लिए ₹734 करोड़ की अतिरिक्त ऋण राशि (।ककपजपवदंस ।ससवबंजपवद) और शहरी क्षेत्रों में भूमि सुधार के लिए 25 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। इस दोहरी सौगात के साथ चालू वित्तीय वर्ष में केंद्र द्वारा उत्तराखंड को योजना के अंतर्गत दी गई कुल सहायता अब ₹1,806.49 करोड़ के प्रभावशाली आंकड़े तक पहुँच गई है।

सीएम धामी ने पद्म भूषण सम्मान हेतु चयनित होने पर भगत सिंह कोश्यारी को उनके आवास पर पहुंच कर बधाई दी

देहरादून संवाददाता. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से उनके डिफेंस कॉलोनी, देहरादून स्थित आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ध ामी ने भगत सिंह कोश्यारी को देश के प्रतिष्ठित पद्म भूषण सम्मान हेतु चयनित किए जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मान कोश्यारी के सार्वजनिक जीवन में किए गए दीर्घकालिक, समर्पित एवं राष्ट्रसेवा से परिपूर्ण योगदान का उचित सम्मान है।

बीएलओ आउटरीच अभियान के पहले चरण में प्रदेश के 75 % मतदाताओं की मैपिंग पूरी

- 1 फरवरी से बीएलओ आउटरीच अभियान के दूसरे चरण की होगी शुरुआत
-2003 की मतदाता सूची से की जाएगी वर्तमान मतदाता सूची की मैपिंग
-युवा एवं महिला मतदाताओं की मैपिंग पर होगा विशेष फोकस

देहरादून संवाददाता. भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के क्रम में उत्तराखण्ड राज्य में प्री एसआईआर गतिविधियां सम्पादित की जा रही हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ बीवीआरसी पुरुषोत्तम के निर्देशन मे बीएलओ आउटरीच अभियान के तहत प्रदेश में प्रत्येक मतदाता तक पंहुच, समन्वय और संवाद स्थापित करने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत पहले चरण में प्रदेश के 75 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग की जा चुकी है। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ विजय कुमार जोगदंडे ने बताया कि प्रदेश में सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में बीलएओ, ईआरओ सहित पूरी इलेक्शन मशीनरी ने बेहद उत्साहपूर्वक तरीके से 75 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग की है।अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि बीएलओ आउटरीच अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत 1 फरवरी से की जा रही है। इस अभियान में प्रदेश के युवा एवं महिला मतदाताओं पर विशेष फोकस रहेगा। आउटरीच अभियान के दूसरे चरण को 15 फरवरी 2026 तक सम्पादित किया जाएगा।आसानी से सर्च कर सकते हैं 2003 की मतदाता सूची में नामष : अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ विजय कुमार जोगदंडे ने बताया कि प्री एसआईआर फेज में प्रदेश की वर्तमान मतदाता सूची में शामिल मतदाताओं की 2003 की मतदाता सूची से मैपिंग की जा रही है। उन्होंने प्रदेश के मतदाताओं से अपील की है कि वे इस अभियान में अपने बीएलओ का सहयोग करें।

संक्षिप्त समाचार...

शंकराचार्य से अमर्यादित व्यवहार पर रोष जताया

देहरादून संवाददाता. अखिल भारतीय देवभूमि ब्राह्मण जन सेवा समिति ने प्रयागराज में धर्मगुरु शंकराचार्य के साथ हुए अमर्यादित व्यवहार पर कड़ा रोष व्यक्त किया है। समिति ने इस प्रकरण के दोषियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर राष्ट्रपति और अखिल भारतीय धर्मसंघ वाराणसी को डाक के माध्यम से ज्ञापन भेजा है। केंद्रीय कार्यालय में आयोजित बैठक में अध्यक्ष अरुण कुमार शर्मा ने कहा कि मौनी अमावस्या के पावन पर्व पर शंकराचार्य के साथ जो दुर्व्यवहार हुआ, वह सनातन समाज के लिए असहनीय है। समिति ने धर्मसंघ से आग्रह किया कि नियमों के तहत दोषियों पर कठोर कार्रवाई कर समाज को वास्तविक स्थिति से अवगत कराया जाए। साथ ही, कहा कि यूजीसी 2026 एक्ट के नए नियमों को पूर्णतः समाप्त या संशोधित नहीं किया गया, तो सवर्ण समाज के हितों की रक्षा के लिए जन आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन में सचिव रुचि शर्मा, डॉ. अजय वशिष्ठ और अनुराग गौड़ आदि के हस्ताक्षर हैं।

महिला ने कश्मीरी छात्रों पर छेड़खानी के लगाए आरोप

विकासनगर संवाददाता. कश्मीरी छात्रों से मारपीट का मामला में आरोपी की पत्नी रीना यादव ने युवकों पर लगाया छेड़खानी का आरोप लगाया। कहा कि जब वह दुकान पर आए तो उन्होंने उसके लिए गंदे इशारे किए। विरोध करने पर उसका हाथ पकड़कर खींचने लगे। महिला के पति आए तो दोनों ने उनके पति के साथ भी मारपीट की। कहा घटना के दिन भी उन्होंने कोतवाली में तहरीर दी लेकिन उनकी तहरीर नहीं ली गई। शुक्रवार को रीना यादव ने कोतवाली में तहरीर दी। कहा कि जब तक उनकी तहरीर पर मुकदमा दर्ज नहीं होता। उनके पति के खिलाफ दर्ज धाराएं नहीं हटती, वह कोतवाली में ही डटी रहेगी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने एकतरफा करवाई की है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

सम्पादकीय

भाजपा की राजनीतिक योजना क्या है?

तो समझना चाहिए कि उसे उसी तरह से प्लान किया गया है। यानी उसकी योजना ऐसी बनी है कि वह अनप्लांड लगे। यह बात अमेरिका के एक राष्ट्रपति ने कही थी। पूरी दुनिया की राजनीति पर यह बात समान रूप से लागू होती है। तभी प्रयागराज में शंकराचार्य को लेकर जो कुछ हो रहा है और उसके बाद विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी का जो नया नियम लाया गया हैं उसे अनायास हुए नहीं मानना चाहिए। सरकार ने किसी योजना के तहत यूजीसी के नए नियम लागू किए हैं। उसने सामान्य वर्ग को अलग थलग करने और उसे उत्पीड़क साबित करने का जो नियम बनाया है वह संयोग नहीं है, बल्कि किसी प्रयोग का हिस्सा है।इस समय पूरे देश में यूजीसी की ओर से लाए गए समानता के नए नियम पर विवाद हो रहा है। यूजीपी ने प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीच्यूट रेगुलेशन 2026 के नाम से नए नियम जारी किए हैं। इसका उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव खत्म करना बताया गया है। इस तरह का एक नियम 2012 में बना था, जो पहले से उपलब्ध था। उसमें कुछ बदलाव करके उसे नए रूप में प्रस्तुत किया गया है। 2012 के नियम में सिर्फ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति यानी एससी और एसटी को उत्पीड़न से बचाने का प्रावधान किया गया था। अब उसमें अन्य पिछड़ी जातियों यानी ओबीसी को भी जोड़ दिया गया है। साथ ही महिलाएं और दिव्यांगजनों को भी शामिल किया गया है। महिलाओं और दिव्यांगों में हर वर्ग के छात्र शामिल होंगे।इसका मतलब है कि सामान्य वर्ग के एक छोटे से समूह को पहले से ही अत्याचारी या उत्पीड़क मान कर बाकी लोगों को उससे बचाने का प्रावधान किया गया है। 2012 के कानून में भेदभाव या उत्पीड़न की फर्जी शिकायत करने पर कार्रवाई का प्रावधान था, जिसे नए नियमों में हटा दिया गया है। यानी एससी, एसटी, ओबीसी, महिला और दिव्यांग अगर चाहें तो किसी भी सामान्य वर्ग के छात्र के खिलाफ झूठी शिकायत दर्ज करा सकते हैं और शिकायत गलत पाए जाने पर उनके खिलाफ किसी तरह की दंडात्मक कार्रवाई नहीं हो सकती है। हर संस्थान में इक्विटी कमेटी और इक्विटी स्क्वॉयड बनाने का प्रावधान किया गया है, जिसमें बदलाव करके यह नियम बनाया गया है कि इसमें सामान्य वर्ग के किसी व्यक्ति को रखना अनिवार्य नहीं होगा।सोचें, क्या इससे भी ज्यादा भेदभाव या असमानता की कोई व्यवस्था हो सकती है? इसमें एक समूह को पहले से अपराधी मान कर उसे सजा के योग्य ठहरा दिया गया है। यह सामाजिक विद्वेष बढ़ाने वाला नियम है, जो कानून विरूद्ध है और संविधान विरूद्ध है। यह प्राकृतिक न्याय के मूल सिद्धांत के भी विरूद्ध है। भारत सरकार ने जब अंग्रेजों के जमाने की भारतीय दंड संहिता समाप्त की और उसकी जगह भारतीय न्याय संहिता लागू की तो कहा कि अंग्रेजों ने दंड का प्रावधान किया था लेकिन अब सरकार न्याय की व्यवस्था ले आई है।

क्या यही न्याय की व्यवस्था है कि आप एक समूह को पहले से अपराधी मान लेंगे? सवाल है कि आरोप लगाए जाने और दोष सिद्ध होने से पहले किसी को अपराधी कैसे माना जा सकता है? भारत में न्याय की व्यवस्था महर्षि याज्ञवल्क्य के समय बनी, जिसमें वाचस्पति ने नव्य न्याय की धारणा जोड़ी। इसके मुताबिक दोष सिद्धि से पहले किसी को अपराधी नहीं माना जा सकता है। संविधान का अनुच्छेद 14 और 15 कानून के समक्ष सबकी समानता और धर्म, जाति, नस्ल, लिंग, क्षेत्र आदि के आधार पर किसी किस्म के भेदभाव को निरस्त करता है। लेकिन यहां भारत सरकार ने जाति के आधार पर एक समूह को पहले ही अपराधी मान लिया है। किसी सभ्य समाज में ऐसी व्यवस्था की कल्पना भीकैसे की जा सकती है?इसी तरह का एक बिल मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार भी ले आई थी। कम्युनल वायलेंस बिल की मूल अवधारणा हिंदू को दंगाई मानने की थी। ऐसा कानून बन रहा था, जिसके मुताबिक कही भी दंगा होगा तो हिंदू को दोषी माना जाएगा। ठीक उसी तरह का नियम सरकार ले आई है, जिसके मुताबिक किसी भी शिक्षण संस्थान में अगर भेदभाव होता है या उत्पीड़न की घटना होती है तो सामान्य वर्ग के छात्र या शिक्षक को उसका दोषी माना जाएगा। एससी, एसटी, ओबीसी, महिला और दिव्यांग कभी भी आरोपी या दोषी नहीं बनाए जाएंगे।अब जरा इसके व्यावहारिक पक्ष की कल्पना करें। किसी भी शिक्षण संस्थान में जाने वाले सामान्य वर्ग के छात्र के ऊपर कितना मानसिक दबाव होगा। वह हर समय इस आशंका में रहेगा कि उपरोक्त पांच समूहों का कोई छात्र उसके खिलाफ शिकायत कर सकता है और उसका करियर समाप्त कर सकता है। क्या सरकार कथित ऐतिहासिक गलतियों को दुरुस्त करने के लिए रिवर्स डिस्क्रिमिनेशन के जरिए सामान्य वर्ग के छात्रों को उच्च शिक्षा से दूर करना चाहती है? सरकार ने यह काम ऐसे समय में किया है, जब सामाजिक स्तर पर असमानता कम हो रही है, समाज ज्यादा समरस बन रहा है और सत्तारूढ़ दल खुद ही व्यापक हिंदू एकता के लिए काम कर रहा है। दूसरी ओर आर्थिक स्तर पर असमानता बढ़ रही है। सरकार का यह नियम विभिन्न जातियों और समाजों के बीच वैमनस्य और भेदभाव बनाने वाला प्रतीत होता है।

जनाब ओवैसी, कैथोलिक काऊंसिल से जाने सच्चाई

शंकर शरण

बिशप काउंसिल ने बाकायदा एक आयोग बनाकर इस मामले की पड़ताल करवाई। उस की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2005 से 2012 के बीच ही लव-जिहाद के लगभग चार हजार मामले हुए। केरल में श्इस्लामिक पोपुलर फ्रंद्ध की छात्र शाखा श्कैंपस फ्रंद्ध ने असंख्य क्रिश्चियन और हिन्दू लड़कियों को जाल में फँसा कर उन्हें मुसलमान बनाया है।ज् कभी मौलाना मदनी द्वारा जिहाद को श्पवित्रश कहकर नाराजी दिखाना, तो कभी ओवैसी द्वारा श्लव-जिहादश पर तंज कर चुनौती देना हिन्दू नेताओं की असलियत दिखाता है। आर.एस.एस. को चुनौती देकर ओवैसी का मजा लेना है। आखिर क्यों नहीं! ये अज्ञान और डर, दोनों प्रभाव से जीते है।लव-जिहाद की पहचान और पैमाना ख्र 1गत 5 जनवरी प्रखर मुस्लिम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने आर.एस.एस. नेता मोहन भागवत को चुनौती दी कि श्लव जिहाद परिभाषिद्ध करें। क्योंकि इन्होंने अपने किसी भाषण में इस का उल्लेख किया था। ओवैसी ने भाजपा से भी माँग की कि, श्अगर देश में लव जिहाद हो रहा, तो इस के आँकड़े संसद में द्धे।पर ओवैसी की चुनौती अनुत्तरित रही। अधिकांश संघ-भाजपा नेता मुहावरों, जुमलों, आधी-अधूरी बातों तक ही रहते हैं। किन्तु ओवैसी भी गर श्लव-जिहाद्ध की सच्चाई जानना चाहते तो अपनी माँग कैथोलिक बिशप काऊंसिल ऑफ इंडिया और सीरियन मलाबार चर्च से करते। लव-जिहाद का मामला सब से पहले भारत के क्रिश्चियन नेताओं ने उठाया था। वे वर्षों से इस पर लड़ रहे हैं। कैथोलिक बिशप काऊंसिल और सीरियन मलाबार चर्च ने 2020 में बिशप सम्मेलन (सायनोड) के आधिकारिक बयान में कहा था कि श्लव-जिहाद एक सचाई द्धै, और खतरा है।बिशप काउंसिल ने बाकायदा एक आयोग बनाकर इस मामले की पड़ताल करवाई। उस की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2005 से 2012 के बीच ही लव-जिहाद के लगभग चार हजार मामले हुए। केरल में श्इस्लामिक पोपुलर फ्रंद्ध की छात्र शाखा श्कैंपस फ्रंद्ध ने असंख्य क्रिश्चियन और हिन्दू लड़कियों को जाल में फँसा कर उन्हें मुसलमान बनाया है। अतः यदि किसी संघ-भाजपा सांसद को इस पर तनिक भी चिन्ता हो, तो वह बिशप काउंसिल की रिपोर्ट के ही आंकड़े संसद में पेश करें ख्र ताकि ओवैसी की चुनौती को वाक-ओवर न मिले।राजनीति में ऐसी स्थितियाँ जनता के बीच धारणाएं बनाती हैं। उन धारणाओं के परिणाम होते हैं। अतः संघ-भाजपा नेताओं को अपनी ही बातों पर भागना नहीं चाहिए। वह भी इतना गंभीर मुद्दा, जो हिन्दू-जैन-क्रिश्चियन-सिख समाज के अस्तित्व से जुड़ा है।आखिर, इस्लाम द्वारा दुनिया भर में अनेक जगह दूसरे धर्म-समाज को खत्म कर देना ऐतिहासिक सचाई है। इस पर मुस्लिम उलेमा, लीडर फख्र भी करते हैं। फारस, सीरिया, कौंस्टेंटिनोपल, लेबनान, कोसोवो ही नहीं ख्र भारत के भी पश्चिमी और पूर्वी हिस्से में हजारों मील इलाकों और करोड़ों हिन्दू-सिख लोगों को इस्लाम ने हड़प लिया। उस का औजार जिहाद ही है। इस में लव-जिहाद के विविध रूप भी शामिल हैं।

यह न केवल भारत, बल्कि अनेक यूरोपीय देशों में भी चल रहा है। वहाँ यह गतिविधि श्ग्रूमिंग गैंग्ध के काम से भी जानी जाती है। जिस की शिकार अधिकांशतः गोरी क्रिश्चियन लड़कियाँ और शिकारी अधिकांश पाकिस्तानी मूल के मुस्लिम होते हैं। सिख लड़कियों को भी श्के टु क्द्ध (कौर से खान) बनाने का धंधा जाहिर है। सो, यूरोप या भारत में लव-जिहाद वास्तविक है।यहाँ केरल सरकार और हाई कोर्ट ने भी इस का नोटिस लिया है। वहाँ के कम्युनिस्ट मुख्य मंत्री वी. एस. अच्युतानन्दन ने बरसों पहले, 2010 में ही, इस पर चेतावनी दी थी। उन के शब्दों में, एक मुस्लिम दल श्मनी और मैरेज्ध द्वारा दो दशक में केरल को पूर्ण इस्लामी बनाने की योजना पर चल रहा है। क्या ओवैसी ने इस पर भी ध्यान नहीं दिया था?केरल हाई कोर्ट ने भी 2009 और 2017 में इस का संज्ञान लिया था। यद्यपि कोर्ट की टिप्पणी थी कि सभी अंत-धर्म विवाहों को श्लव जिहाद्ध की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। किन्तु इस में साफ ध्वनि है कि कुछ मामले ऐसे हैं। वे कौन से मामले हैं, और कितने हैं? निस्संदेह, यह कार्यपालिका और विधायिका के कर्णधारों को देखना था। इस पर बोलना और इस में हो रहे छल-प्रपंच, और दबाव-ब्लैकमेल, आदि को रोकना था। इस बिन्दु पर ओवैसी की चुनौती बिलकुल सही है।पर श्लव-जिहाद्ध की परिभाषा तो केरल के मुख्यमंत्री बता चुके ख्र श्मैरेज का इस्तेमाल करके इस्लाम फैलान्द्ध। वस्तुतः यही कुल जिहाद का उद्देश्य है ख्र इस्लाम को बढ़ाना, और गैर-इस्लाम को मिटाना। इस्लाम की सारी लड़ाई बस इसी के लिए है। उस की बाकी सारी बातें दोयम या बहाना हैं।कुरान की अनगिनत आयतें, जैसे 2:193; 8:39; 9:29; 9:111; 3:28; आदि जिहाद लड़ने की ताकीद करती हैं। जिस की एक ही टेक है: जैसे हो, सब को अल्लाह और मुहम्मद का अनुयायी बनाओ, ताकि सब उन का हुक्म मानें (कुरान, 3:32; 3:132; 4:59, आदि)। यही इस्लाम का आदि-अंत है। न इस से कम, न इस से अधिक। बाकी सब बातें कमतर या स्वैच्छिक हैं। केवल यह ख्र इस्लाम फैलाओ, अन्य को मिटाओ ख्र ही बुनियादी कौल है। इस्लामी राजनीति के सभी काम इसी के अंग हैं।अतः, छल-बल या प्रेम से भी किसी हिन्दू, जैन, सिख, या क्रिश्चियन लड़की या लड़के को मुस्लिम बना लेना ही लव-जिहाद है। तलवार से, या प्रेम से ख्र लक्ष्य वही है, मुस्लिम संख्या बढ़ाना। इस्लाम की ताकत बढ़ाना। इसी को कुरान, हदीस, और सीरा ख्र इस्लाम की तीनों मूल किताबों में ख्र श्अल्लाह का काम्द्ध कहा गया है। सो, लव-जिहाद या जबर-जिहाद, सभी इस्लाम के अनुरूप हैं। यह हर मौलाना जानता है। ओवैसी तो बखूबी जानते होंगे। वे केवल संघ-भाजपा नेताओं के अटपटेपन का मजा लेते रहते हैं!पर, वस्तुतः अच्युतानन्दन वाली परिभाषा तेरह सदियों से भारत में घटित होती देखी जा सकती है। सभी इतिहासकारों के विवरण दिखाते हैं कि 712 ई. में आने वाले मुहम्मद बिन कासिम के पहले गिरोह से लेकर बाद की सदियों में आने वाले सभी मुस्लिम हमलावर ख्र तुर्क, ईरानी, मंगोल, आदि ख्र कोई भी अपनी बीवियाँ साथ नहीं लाए थे। सब ने यहीं की हिन्दू स्त्रियों, लड़कियों को गुलाम, रखैल, या बीवी बनाकर, और सब को मुसलमान बनाकर परिवार बनाया, या केवल औलादें पैदा की। इसे गुलाम-जिहाद, सेक्स-जिहाद, बलात्कार-जिहाद, रखैल-जिहाद, लव-जिहाद, जो भी कहें। बात वही रहेगी। आज इस का व्यवहारिक अर्थ किसी विस्थापित कश्मीरी पंडित या बंगलादेश के हिन्दू से पूछ लीजिए। वह इस के अनेक जीवित उदाहरण दे सकता है।इस प्रकार, ऐतिहासिक रूप में, सीरिया, तुर्की, या ईरान के लगभग तमाम मुस्लिम ही नहीं ख्र जो हजार साल पहले शत-प्रतिशत क्रिश्चियन या पारसी थे ख्र बल्कि भारत-पाकिस्तान-बंगलादेश की संपूर्ण मुस्लिम आबादी के भी लगभग सभी लोग सारतः सेक्स-जिहाद या लव-जिहाद की उत्पत्ति हैं। किसी मुस्लिम तारीखनवीस ने भी, सदियों की तारीख में, एक भी हिन्दू, जैन, या सिख पिता का उदाहरण नहीं दिया है जिस ने स्वेच्छा से अपनी बेटी किसी मुगल बादशाह को भी दी हो। सो, क्रिश्चियन-यहूदी-हिन्दू-जैन-सिख लड़कियों, स्त्रियों को मुसलमान बनाना पूरे विश्व में, सदैव एकतरफा और जबरिया मामला था, और है।यदि सदियों पुरानी यह सच्चाई दूर की लगे, तो अभी हाल का देख लीजिए। केवल पैंतीस वर्ष पहले, 1990 में कश्मीर में नारा दिया गया था ख्र श्असि छु बनावुन पाकिस्तान, बटव रोस तु बटन्यव सान्द्ध (हम पाकिस्तान बनाएंगे, कश्मीरी पंडितों को खत्म कर, मगर उन की स्त्रियों को रख कर)। उस का पूरक नारा भी था ख्र श्या रलिव, या गलिव, या चलिव्द्ध (या तो इस्लाम में मिल जाओ, या खत्म हो जाओ, या भाग जाओ)।यह सब क्या था, जनाब ओवैसी? पूरी की पूरी मुस्लिम जमात समूचे प्रदेश में कहती है कि वे श्हिन्दू स्त्रियों को रखेंगे, मगर हिन्दू पुरुषों को भगाएंग्द्ध! किसलिए? ओवैसी इस से अनजान क्यों बन रहे हैं? केवल संघ-भाजपा के गैंडाखाल या अज्ञानी ही हिन्दू नहीं। असंख्य सामान्य हिन्दू भी हैं, जो इस्लाम की टेक और उस का इतिहास जानते हैं। उन के जले पर नमक छिड़कना इन्सानियत के खिलाफ है। औवेसी को कभी इस्लामियत से ऊपर उठ कर इन्सानियत का ख्याल करना चाहिए। इन्सानियत बड़ी और स्थाई चीज है। इस्लामियत छोटी और आनी-जानी।सो, कश्मीर में तलवार-जिहाद और सेक्स-जिहाद का तालमेल अपवाद नहीं था।

हिन्दी दैनिक जोखिम

संक्षिप्त समाचार...

भाकियू (क्रांति) ने दी सीएम आवास घेरने की चेतावनी

रुड़की संवाददाता. भारतीय किसान यूनियन (क्रांति) ने शुक्रवार को विभिन्न मुद्दों को लेकर शिव चौक पर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। यूनियन ने टोल प्लाजा पर कैमरों के जरिये चालान की प्रक्रिया खत्म करने और बिजली के स्मार्ट मीटर की व्यवस्था समाप्त करने की मांग की। कहा कि इस मामले में जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो किसान देहरादून कूच कर मुख्यमंत्री आवास पर धरना देंगे। यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास चौध री के साथ शुक्रवार को किसानों ने शिव चौक पर इकट्ठा होकर शासन प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान यूनियन के नेताओं ने आरोप लगाया कि किसानों का हर स्तर पर शोषण किया जा रहा है।

सनातन धर्म के सभी अनुयायियों को एक मंच पर आने की जरूरत

रुड़की संवाददाता. हसनपुर मदनपुर में शुक्रवार को आरएसएस की ओर से आयोजित हिंदू सम्मेलन में संघ के प्रांतीय पदाधिकारी किसलय सैनी ने कहा कि सनातन धर्म के सभी अनुयायियों को एक मंच पर आकर धर्म के उत्थान के लिए कार्य करने चाहिए ताकि सनातन धर्म का अखंड निर्माण हो सके। इसलिए सभी सनातियों को एक होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि बटेंगे तो कटेंगे और एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे। संत सोमदास महाराज ने भी उपस्थित लोगों को संगठित होकर चलने की बात कहकर एकजुट होने पर जोर दिया।

बच्चों को मेहनत से पढ़ाई करने के लिए किया प्रेरित

रुड़की संवाददाता. जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम की समाप्ति के बाद मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्रा, विधायक वीरेंद्र जाति सहित अन्य अधिकारियों ने पास में स्थित विद्यालय का भ्रमण किया। इस दौरान अधिकारियों ने स्कूल में मौजूद छात्र-छात्राओं से संवाद किया और उनकी पढ़ाई, सुविधाओं व भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली। अधिकारियों ने बच्चों को मेहनत और अनुशासन के साथ पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया तथा शिक्षा से जुड़ी समस्याओं को भी ध्यानपूर्वक सुना। अधिकारियों ने विद्यालय में उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

अब डिजिटल साइन बोर्ड से चमकेगा शहर

रुड़की संवाददाता. नगर निगम रुड़की शहर को आधुनिक और स्मार्ट बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है। शहर के मुख्य चौराहों और व्यस्त मार्गों पर अब पारंपरिक होर्डिंग्स की जगह डिजिटल साइन बोर्ड नजर आएंगे। इस योजना से न केवल शहर की खूबसूरती बढ़ेगी, बल्कि नगर निगम के राजस्व में भी भारी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। मुख्य नगर आयुक्त राकेश चंद्र तिवारी ने बताया कि इस महत्वाकांक्षी योजना के पहले चरण के लिए शहर के छह सबसे व्यस्त और प्रमुख स्थानों को चिन्हित किया जा रहा है। इन स्थानों पर उच्च गुणवत्ता वाले डिजिटल साइन बोर्ड लगाए जाएंगे। इन बोर्ड्स के माध्यम से सरकारी योजनाओं, जनहित से जुड़ी सूचनाओं और विज्ञापन का प्रसारण किया जाएगा। डिजिटल होने के कारण ये बोर्ड रात के समय भी शहर को एक आधुनिक लुक देंगे। बता दें कि अब तक नगर निगम विज्ञापनों के लिए लोहे के भारी-भरकम होर्डिंग्स और बैनरों पर निर्भर था। जिनसे आय सीमित थी और कई बार अवैध रूप से लगे बैनरों के कारण निगम को नुकसान उठाना पड़ता था। अब इन डिजिटल बोर्ड्स पर निजी कंपनियां अपने विज्ञापन चला सकेंगी, जिससे निगम को हर महीने एक बड़ी राशि किराए के रूप में प्राप्त होगी। अभीतक शहर में कहीं पर भी डिजिटल साइड बोर्ड नहीं है। जबकि कैंट बोर्ड क्षेत्र में डिजिटल साइन बोर्ड लगे हैं। जिससे कैंट बोर्ड राजस्व का लाभ उठा रहा है।

फैक्ट्री परिसर में पत्थर फेंकने पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

रुड़की संवाददाता. फैक्ट्री परिसर में पत्थर फेंकने के आरोप में पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरु कर दी है। विक्रम चुग निवासी मंगलौर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीती 19 जनवरी को दो बाइक सवार युवकों ने उनकी फैक्ट्री परिसर में पत्थर फेंककर हमला कर दिया। घटना से फैक्ट्री में अफरा-तफरी मच गई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

गांधी विचारधारा से ही बनेगा भारत विश्वगुरुः राजेंद्र चौधरी

रुड़की संवाददाता. राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर शुक्रवार को जिला कांग्रेस कमेटी रुड़की महानगर ने गांधी वाटिका में बापू की प्रतिमा के पास श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। जिला अध्यक्ष राजेंद्र चौधरी एडवोकेट ने कहा कि महात्मा गांधी केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक अमर विचारधारा हैं। उन्होंने कहा कि आज जब पूरा विश्व घृणा, युद्ध, भय और द्वेष के माहौल से गुजर रहा है, तब गांधी का अहिंसा का संदेश और भी प्रासंगिक हो जाता है। भारत की सनातनी परंपरा विश्व शांति का प्रतिनिधित्व गांधी ने ही किया था। कहा कि भारत को दुनिया भर में गांधी के देश के रूप में पहचाना जाता है और उनकी विचारधारा को अपनाकर ही भारत पुनः विश्वगुरु बन सकता है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विजन को जमीन पर उतारने में जुटा आवास विभाग

-सचिवालय में आधुनिक कार्यालय भवन निर्माण को मिली रफ्तार, औचक निरीक्षण में आवास सचिव डॉ आर राजेश कुमार ने दिए सख्त निर्देश

-आवास सचिव का साफ संदेश-निर्माण कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, गुणवत्ता और समय-सीमा पर जोर

देहरादून संवाददाता. आवास विभाग, राज्य सम्पत्ति विभाग की जिम्मेदारी संभालने के बाद से ही सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार विभागीय कार्यों की लगातार समीक्षा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विजन को जमीन पर उतारने और सरकारी कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से डॉ. राजेश कुमार ने आज सचिवालय परिसर स्थित निर्माणाधीन आधुनिक कार्यालय भवन के कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उनके साथ एसएस रावत संयुक्त सचिव, राज्य संपत्ति, नीरज कुमार त्रिपाठी, अधिशाषी अभियंता लोकनिर्माण विभाग, संदीप वर्मा, अपर सहायक अभियंता सिविल, गाविंद सिंह, सहायक अभियंता विधुत सहित ठेकेदार शिव कुमार अग्रवाल मौजूद रहे।राज्य सम्पत्ति विभाग एवं निर्माण से जुड़े संबंधित अधि कारी मौजूद रहे। सचिव ने निर्माण कार्यो की प्रगति की विस्तार से जानकारी ली और स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने दो टूक कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता से समझौता किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा : राज्य सम्पत्ति विभाग के नियंत्रणाधीन सचिवालय परिसर, देहरादून में विश्वकर्मा भवन के समीप 6 मंजिला (जी5 एवं एक बेसमेंट सहित) आधुनिक कार्यालय

भवन का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह भवन राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के लिए आधुनिक, सुव्यवस्थित और सुविधाजनक कार्यालय सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाया जा रहा है। इस परियोजना को शासनादेश दिनांक 26 मार्च 2025 के अंतर्गत स्वीकृति प्रदान की गई है। भवन निर्माण की कुल लागत ध्5934.71 लाख है, जिसमें सिविल कार्य एवं विद्युतीकरण कार्य शामिल हैं। अब तक इस परियोजना पर लगभग ध्1400 लाख की धनराशि का आंवटन किया जा चुका है।निर्माण एजेंसी और समय-सीमाः भवन के सिविल निर्माण कार्य का अनुबंध मैसर्स शिव कुमार अग्रवाल को दिया गया है। निर्माण कार्य को डेढ़ वर्ष की अवधि में पूर्ण किया जाना है, जिसकी अंतिम तिथि 24 जनवरी 2027 निर्धारित की गई है।भवन की प्रमुख विशेषताएंः यह भवन 34ग्74 मीटर के प्लॉट पर निर्मित किया जा रहा है, जिसका कुल क्षेत्रफल 2516 वर्ग मीटर है। सभी मंजिलों को मिलाकर भवन का कुल निर्मित क्षेत्रफल लगभग 1,04,480 वर्ग फीट होगा। भवन के बेसमेंट में 25 कार पार्किंग और 100 दोपहिया वाहन पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे सचिवालय परिसर में पार्किंग की समस्या से राहत मिलेगी। ग्राउंड फ्लोर पर एसबीआई बैंक, पोस्ट ऑफिस, प्रवेश लॉबी और वेटिंग एरिया का प्रावधान किया गया है। ऊपरी मंजिलों पर सचिव, अपर सचिव, उप सचिव, संयुक्त सचिव, अनुसचिव, स्तर के कार्यालय व उनके स्टाफ कक्ष, वेटिंग लॉबी और मीटिंग हॉल बनाए जा रहे हैं।निर्माण की वर्तमान स्थितिः निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति के अनुसार भवन का फाउंडेशन कार्य पूर्ण हो चुका है। बेसमेंट का सिविल कार्य पूरा कर लिया गया है तथा ग्राउंड फ्लोर का कार्य प्रगति पर है, जिसे 10 फरवरी 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में परियोजना की भौतिक प्रगति लगभग 15 प्रतिशत है। राज्य सम्पत्ति विभाग द्वारा निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी की जा रही है। आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने स्पष्ट किया कि यह भवन सचिवालय की कार्यक्षमता बढ़ाने के साथ-साथ प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं आधुनिक बनाएगा।गुणवत्ता से समझौता नहीं- डॉ आर राजेश कुमारः सचिव डॉ आर राजेश कुमार ने कहा सचिवालय परिसर में निर्माणाधीन यह आधुनिक कार्यालय भवन राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण परियोजना है।

मुख्यमंत्री द्वारा अनेक महत्वपूर्ण योजनाओं के लिए रु. 195 करोड़ की धनराशि की मंजूरी

देहरादून संवाददाता. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सड़क सुरक्षा, सौंग बांध निर्माण, आपदा राहत, सी.एम.घोषणाओं के क्रियान्वयन एवं नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण स्वीकृतियाँ प्रदान करते हुए इन योजनाओं के लिए लगभग रू. 195 करोड़ की धनराशि जारी करने का अनुमोदन प्रदान किया है।सड़क सुरक्षा अनुरक्षण तथा सौंग बांध पेयजल परियोजना हेतु रू. 176.91 करोड़ की धनराशि स्वीकृतः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा "पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता" (ैब्) योजना के तहत वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए निर्माणाधीन सौंग बांध पेयजल परियोजना के अवस्थापना निर्माण कार्यों हेतु रू. 103.80 करोड़ की धनराशि अवमुक्त किए जाने हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया है। इसके साथ ही ैब् योजना के अंतर्गत सड़क सुरक्षा अनुरक्षण मद हेतु रू. 73.11 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है।नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन हेतु तकनीकी सुदृढ़ीकरण के लिए रू. 09.13 करोड़ की मंजूरी : मुख्यमंत्री धामी द्वारा राज्य में नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिलों एवं प्रशिक्षण केन्द्रों में वर्चुअल कंप्यूटर लैब की स्थापना और फॉरेंसिक वर्कस्टेशन बनाने की महत्वपूर्ण योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है। जिसके तहत सभी जनपदों एवं प्रशिक्षण केन्द्रों में वर्चुअल कंप्यूटर लैब की स्थापना हेतु रू. 04.83 करोड़ तथा फॉरेंसिक वर्कस्टेशन के लिए आवश्यक हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर एवं सॉल्यूशंस की खरीद हेतु रू. 4.30 करोड़ की ध नराशि स्वीकृत की गई है।धराली आपदा के प्रभावितों के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से रू. 6.67 करोड़ से अधिक की धनराशि स्वीकृतः मुख्यमंत्री ने जनपद उत्तरकाशी की तहसील भटवाड़ी अंतर्गत ग्राम धराली में दिनांक 5 अगस्त को आई प्राकृतिक आपदा से क्षतिग्रस्त व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं भवनों के प्रभावितों को मुख्यमंत्री राहत कोष से कुल रू. 66096800- (रुपये छह करोड़ साठ लाख छियानवे हजार आठ सौ मात्र) की धनराशि स्वीकृत की है। उक्त आपदा से धराली, मुखवा एवं हर्षिल क्षेत्रों में कृषि भूमि को हुई क्षति के लिए भी 64 प्रभावितों को मुख्यमंत्री राहत कोष से अतिरिक्त राहत राशि के रूप में कुल रू. 672024- (रुपये छह लाख बहत्तर हजार चौबीस मात्र) की धनराशि स्वीकृत की गई है।

रूद्रपुर और पिथौरागढ में मेडीकल कॉलेज के संचालन हेतु जिला चिकित्सालयों को चिकित्सा शिक्षा विभाग को सौंपने के आदेश जारी

देहरादून संवाददाता. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार शासन के द्वारा राजकीय मेडीकल कॉलेज रूद्रपुर और पिथौरागढ के सुचारू संचालन के लिए जिला चिकित्सालय रूद्रपुर तथा पिथौरागढ के जिला चिकित्सालय एवं महिला चिकित्सालय को चिकित्सा शिक्षा विभाग को सौंपने के आदेश जारी कर दिए हैं। सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा सचिन कुर्वे द्वारा इस संबंध में कार्यालय ज्ञाप जारी करते हुए पं. रामसुमेर शुक्ल, राजकीय मेडिकल कालेज, रूद्रपुर के संचालन हेतु जवाहरलाल नेहरू जिला चिकित्सालय रूद्रपुर और राजकीय मेडिकल कालेज, पिथौरागढ के संचालन हेतु बी.डी.पाण्डेय जिला चिकित्सालय पिथौरागढ एवं महिला चिकित्सालय पिथौरागढ को चिकित्सा शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड को हस्तान्तरित किये जाने के आदेश जारी किए हैं। यह सभी चिकित्सालय अभी तक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड के नियंत्रणाधीन थे। शासन के द्वारा जारी आदेशानुसार हस्तांतरण के बाद इन चिकित्सालयों का प्रशासनिक एवं वित्तीय नियंत्रण संबंधित मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य/निदेशक के अधीन होगा।

हिन्दी दैनिक जोखिम

01 वर्ष से गुमशुदा महिला उत्तर प्रदेश से सकुशल बरामद''

पौड़ी संवाददाता. पुलिस मुख्यालय, उत्तराखंड के निर्देशन में प्रदेशभर में गुमशुदा बच्चों, महिलाओं एवं पुरुषों की तलाश एवं सुरक्षित पुनर्वास के उद्देश्य से 01 जनवरी 2026 से 28 फरवरी 2026 तक "ऑपरेशन स्माइल" विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद पौड़ी पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी श्री सर्वेश पंवार के दिशा-निर्देशन में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (।भ्ज्न), कोटद्वार द्वारा निरंतर किए जा रहे प्रभावी प्रयासों के परिणामस्वरूप 01 वर्ष से गुमशुदा महिला को उत्तर प्रदेश के अमरोहा जनपद से सकुशल बरामद किया गया। जानकारी के अनुसार, दिनांक 29.01.2026 को ऑपरेशन स्माइल टीम द्वारा राजस्व क्षेत्र पैडुलस्यूं में पंजीकृत गुमशुदगी मु0अ0सं0-01/24, धारा 140(3) बीएनएस के अंतर्गत कार्रवाई की गई। इस संबंध में वादी अमित रावत द्वारा अपनी पत्नी सरिता देवी, निवासी पैडुलस्यूं, जनपद पौड़ी की गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। महिला दिनांक 17.08.2024 को अपने ससुराल परसुण्डा खाल से लापता हो गई थी। एएचटीयू टीम द्वारा सुरागरसी, पतारसी एवं सर्विलांस के आधार पर की गई त्वरित कार्रवाई के फलस्वरूप गुमशुदा महिला की उपस्थिति रघुनाथपुर डाकघर क्षेत्र, जनपद अमरोहा (उत्तर प्रदेश) में होने की पुष्टि हुई। इसके पश्चात पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर महिला को सुरक्षित रूप से बरामद किया गया। बरामद महिला ने पुलिस को बताया कि वह वर्तमान में दीपक शर्मा, निवासी रघुनाथपुर, अमरोहा (उ0प्र0) के यहां रहकर उनके माता-पिता की सेवा कर रही है तथा स्वेच्छा से, सुरक्षित एवं संतोषजनक स्थिति में रह रही है। महिला ने यह भी बताया कि ससुराल में पति द्वारा आए दिन मारपीट किए जाने एवं निर्वाह हेतु आवश्यक खर्च न दिए जाने के कारण वह मानसिक रूप से परेशान थी, जिस कारण उसने स्वयं घर छोड़ने का निर्णय लिया। महिला ने स्पष्ट किया कि वह फिलहाल अपने ससुराल वापस नहीं जाना चाहती है। उक्त संबंध में पुलिस द्वारा महिला के पति अमित रावत को समुचित रूप से अवगत कराते हुए नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई।

मूल्य आधारित शिक्षा से समाज में आएगा सकारात्मक बदलावः दीक्षिता जोशी

पौड़ी संवाददाता. जीबी पंत अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान घुड़दौड़ी में अखिल भारतीय शिक्षा परिषद की ओर से संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) के अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला का शुक्रवार समापन हो गया। कार्यशाला में समग्र विकास में शिक्षा की भूमिका, आत्म-अन्वेषण, सुख एवं समृद्धि, मानव एवं आत्म में सामंजस्य जैसे मूलभूत विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन संयुक्त मजिस्ट्रेट पौड़ी दीक्षिता जोशी ने करते हुए कहा कि वर्तमान समय में मूल्य-आधारित शिक्षा की अत्यंत आवश्यकता है। ऐसे कार्यक्रम शिक्षकों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संस्थान के निदेशक प्रो. वीके बंगा ने कहा कि तकनीकी दक्षता के साथ मानवीय मूल्यों का समावेश छात्रों को जिम्मेदार, संवेदनशील और समाज के प्रति उत्तरदायी नागरिक बनाता है। कार्यशाला के शैक्षणिक एवं तकनीकी सत्रों का संचालन विषय विशेषज्ञ प्रो. गौरव मिश्रा ने किया। प्रथम सत्र में समग्र विकास में शिक्षा की भूमिका, आत्म-अन्वेषण, सुख एवं समृद्धि तथा मानव एवं आत्म में सामंजस्य पर प्रकाश डाला गया।

पार्षद ने डस्टबिन की गुणवत्ता पर उठाए सवाल

श्रीनगर गढ़वाल संवाददाता. नगर निगम की शुक्रवार को होने वाली बोर्ड बैठक से पहले, वार्ड नंबर 40 के पार्षद संदीप रावत ने नगर निगम प्रशासन पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने नगर निगम क्षेत्र में वितरित किए जा रहे डस्टबिन की गुणवत्ता पर आपत्ति जताई। पार्षद संदीप रावत का कहना है कि जब श्रीनगर में नगर पालिका थी, उस समय दिए गए डस्टबिन की गुणवत्ता बेहतर थी, जबकि अब नगर निगम बनने के बाद बांटे जा रहे डस्टबिन कमजोर और घटिया हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि नगर निगम बड़ा निकाय होने के बावजूद गुणवत्ता में गिरावट क्यों आई।आरोप लगाया कि पार्षदों को विश्वास में लिए बिना ही डस्टबिन की खरीद की गई है। इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए उन्होंने बताया कि वह सचिव, निदेशक और जिलाधिकारी को पत्र दे चुके हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इसी के विरोध में वह बोर्ड बैठक में अपनी बात शांतिपूर्ण ढंग से रखेंगे। उन्होंने साफ किया कि यदि बैठक में कोई समाधान नहीं निकलता है, तो आगे अपने अधिकारों के लिए संघर्ष का रास्ता अपनाया जाएगा।

पौड़ी विधानसभा ने जीती सांसद चौंपियनशिप ट्रॉफी

पौड़ी संवाददाता. खेल महाकुंभ-2025 के तहत आयोजित सांसद चौंपियशिप ट्रॉफी की बालिका वर्ग अंडर-14 एवं अंडर-19 प्रतियोगिताओं का समापन शुक्रवार को हुआ। इस दौरान सर्वाधिक अंक अर्जित कर पौड़ी विधानसभा ने सांसद चौंपियनशिप ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया। रांसी स्टेडियम में आयोजित अंतिम दिन कबड्डी व खोखो प्रतियोगिताओं के रोमांचक मुकाबले खेले गए। इस दौरान कबड्डी बालिका वर्ग अंडर-14 में चौबट्टाखाल विधानसभा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि देवप्रयाग द्वितीय और यमकेश्वर तृतीय स्थान पर रहा। वहीं, अंडर-19 में नरेंद्रनगर विधानसभा प्रथम, श्रीनगर द्वितीय व कोटद्वार तृतीय स्थान पर रहा। खोखो बालिका वर्ग अंडर-14 में नरेंद्रनगर प्रथम, यमकेश्वर द्वितीय व रामनगर तृतीय स्थान पर रहा। अंडर-19 में भी नरेंद्रनगर ने बाजी मारी, जबकि यमकेश्वर द्वितीय और पौड़ी विधानसभा तृतीय स्थान पर रही। जिला युवा कल्याण अधिकारी रविंद्र कुमार सिंह ने बताया कि प्रतियोगिताओं में चयनित खिलाड़ी मुख्यमंत्री चौंपियशिप ट्रॉफी में प्रतिभाग करेंगे। प्रतियोगिता में जनपद की कुल 11 विधानसभाओं के प्रतिभागियों ने भाग लिया। 97 अंक अर्जित कर पौड़ी विधानसभा ने सांसद चौंपियनशिप ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। विजेता पौड़ी विधानसभा को दो लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी नरेश रावत,भगवान गुसाईं, महेश, मो. आरिफ, दिनेश सिह नेगी, आदेश बहुगुणा, मनोज बजरियाल आदि मौजूद रहे।

जंगल में फंसे दृष्टिबाधित व्यक्ति को सुरक्षित निकाला

पौड़ी संवाददाता.थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए जंगल में लापता हुए एक दृष्टिबाधित व्यक्ति को सकुशल परिजनों के सुपुर्द किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम धरुण निवासी संजू पुत्र सते सिंह देहरादून से उपचार कराकर घर लौट रहे थे लेकिन रास्ते में वह लापता हो गए। उनकी पत्नी ने थाना देवप्रयाग में सूचना दी कि उनके पति को आंखों से कम दिखाई देता है और उन्होंने फोन पर देवप्रयाग के पास किसी जंगल में फंसे होने की बात कही थी जिसके कुछ देर बाद उनका मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और संभावित लोकेशन चिह्नित की। देर रात भागीरथी पुल के पास घने जंगलों में सघन सर्च अभियान चलाया गया। इस दौरान कांस्टेबल विवेक भट्ट और होमगार्ड संदीप बडोनी ने कड़ी मशक्कत के बाद लापता व्यक्ति को भागीरथी पुल के नीचे गहरे जंगल से ढूंढ निकाला। पुलिस के मुताबिक, संजू कम दिखाई देने के कारण पहाड़ी से फिसलकर नीचे गिर गए थे। यदि समय रहते उन्हें न ढूंढा जाता, तो कोई अनहोनी हो सकती थी। पुलिस ने उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवप्रयाग में उपचार दिलाने के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

अधिक किराया वसूलने की शिकायत पर चालान

रुद्रप्रयाग संवाददाता. चोपता क्षेत्र में टैक्सी संचालकों की ओर से निर्धारित दरों से अधिक किराया वसूले जाने की शिकायत पर जिलाधिकारी ऊखीमठ अनिल रावत तथा सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी धर्मेन्द्र सिंह बिष्ट ने थानाध्यक्ष के साथ संयुक्त निरीक्षण किया। इस दौरान कुल दस चालान किए गए। अधिक किराया वसूलने पर 2000 रुपये का और यातायात नियमों के उल्लंघन पर चालान कर छह हजार का जुर्माना वसूला गया। निरीक्षण के दौरान कई टैक्सी वाहनों की दर सूची, परमिट, फिटनेस, ड्राइविंग लाइसेंस एवं अन्य अभिलेखों की जांच की गई। कुछ टैक्सी संचालकों की ओर से अधिक किराया वसूली की पुष्टि होने पर उन्हें कड़ी चेतावनी दी और चालान किया गया। वहीं निरीक्षण के दौरान प्राइवेट वाहनों के पर्याप्त दस्तावेज, वैध ड्राइविंग लाइसेंस, हेलमेट आदि न होने पर चालान किया गया। उप जिलाधिकारी अनिल रावत ने कहा कि चोपता प्रमुख पर्यटन स्थल है। पर्यटकों की सुविध ा और विश्वास बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। यदि भविष्य में ऐसी शिकायतें मिलीं और यातायात नियमों का उल्लंघन किया गया तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

स्थायी राजधानी के लिए आंदोलन कल

रुद्रप्रयाग संवाददाता. स्थायी राजधानी गैरसैंण बनाए जाने के लिए स्थायी राजधानी गैरसैंण समिति एक फरवरी को गुलाबराय मैदान में प्रदर्शन करेगी। यहां आयोजित पत्रकार वार्ता में समिति के संयोजक व पूर्व आईएएस विनोद रतूड़ी ने इसकी कार्ययोजना बताई। उन्होंने कहा कि राज्य बने 25 साल हो गए हैं लेकिन अभी तक स्थायी राजधानी नहीं मिल पाई है। राज्य दो-दो अस्थायी राजधानियों का बोझ झेल रहा है। पहाड़ में पहाड़ की राजधानी न बनने से उत्तराखंड राज्य की मूल अवधारणा फलीभूत नहीं हो पाई है। पलायन, बेरोजगारी अपने चरम पर है और जल जंगल जमीन के सवाल हाशिये पर हैं। वहीं समिति के अध्यक्ष ने कहा कि स्थायी राजधानी गैरसैंण समिति किसी भी राजनीतिक पार्टी से प्रेरित नहीं है और न ही यह राजनीतिक एजेंडा है।

एसपी ने जवानों के साथ लगाई दौड़

रुद्रप्रयाग संवाददाता. रिजर्व पुलिस लाइन रतूड़ा में साप्ताहिक पुलिस परेड का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग अक्षय प्रल्हाद कोंडे ने जवानों के साथ दौड़ भी लगाई। उन्होंने कहा कि पुलिस बल के लिए शारीरिक फिटनेस केवल एक ड्यूटी नहीं बल्कि जीवनशैली का हिस्सा होनी चाहिए। परेड के दूसरे सत्र में पुलिस अधिकारियों और जवानों ने सामूहिक योगाभ्यास भी किया। परेड में पुलिस उपाधीक्षक रुद्रप्रयाग प्रबोध कुमार घिल्डियाल, पुलिस उपाधीक्षक गुप्तकाशी विकास पुण्डीर, समस्त थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी तथा पुलिस कार्यालय के विभिन्न शाखाओं के प्रभारी सहित कुल 100 कार्मिक उपस्थित रहे। इसके बाद अमर शहीदों को श्रद्धांजलि भी दी गई। पुलिस ने छात्राओं को किया जागरूकः जनपद पुलिस की ओर से चलाए जा रहे पुलिस आपके द्वार जन-जागरूकता अभियान के तहत थाना अगस्त्यमुनि पुलिस की ओर से राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अगस्त्यमुनि में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों, कर्तव्यों और वर्तमान में बढ़ते साइबर अपराधों के बारे में बताया। साथ ही वर्तमान डिजिटल युग में सुरक्षित रहने के तरीके बताए। वहीं गुप्तकाशी के राजकीय इंटर कॉलेज ल्वारा में भी साइबर सुरक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।

केदारनाथ में मोबाइल पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी

रुद्रप्रयाग संवाददाता. आगामी यात्रा में इस बार केदारनाथ मंदिर में प्रशासन की ओर से मोबाइल पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी है। वहीं नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना भी लगाया जाएगा। जिला प्रशासन की इस संबंध में बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अधि कारियों के साथ वार्ता चल रही है। बता दें कि बीते कुछ वर्षों से केदारनाथ क्षेत्र में दर्शन के दौरान मोबाइल का अत्यधिक प्रयोग हो रहा है। पिछली यात्रा में भी मोबाइल फोन प्रतिबंध का मुद्दा उठा था। इसी को ध्यान में रखते हुए बीते दिनों ऋषिकेश में हुई चारधाम से जुड़ी बैठक में सभी धामों में मोबाइल पर रोक पर विचार किया गया। इस संबंध में जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने बताया कि केदारनाथ क्षेत्र में मोबाइल प्रतिबंध के लिए बीकेटीसी से बातचीत चल रही है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

नंदा राजजात यात्रा 2026 को लेकर मुख्यमंत्री से की भेंटवार्ता

अल्मोड़ा संवाददाता. प्रस्तावित मां नंदा राजजात यात्रा 2026 के संबंध में चंद्र वंशज राजा करण चंद्र राज सिंह के पुत्र युवराज नरेंद्र चंद्र राज सिंह के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट कर यात्रा की तैयारियों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद गढ़वाल मंडल आयुक्त विनय शंकर पांडेय के साथ भी शिष्टमंडल की बैठक हुई, जिसमें यात्रा के आयोजन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में गढ़वाल मंडल आयुक्त विनय शंकर पांडेय ने बताया कि यात्रा को लेकर शीघ्र ही एक व्यापक समन्वय बैठक आयोजित की जाएगी। यह बैठक ग्वालदम या कर्णप्रयाग में आयोजित किए जाने की संभावना है, जिसमें कुमाऊं और गढ़वाल क्षेत्र की विभिन्न मंदिर समितियों के अध्यक्ष, पदाधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि सामूहिक विचार-विमर्श के बाद यात्रा के संबंध में अंतिम निर्णय लिया जाएगा और बैठक की तिथि व स्थान की घोषणा जल्द कर दी जाएगी। आयुक्त ने संकेत दिया कि यह बैठक 15 फरवरी से पहले आयोजित करने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री से भेंट से पूर्व शिष्टमंडल की एक बैठक कुंवर भवानी सिंह के आवास पर भी आयोजित की गई, जिसमें मुख्यमंत्री से वार्ता की रूपरेखा तय की गई। शिष्टमंडल में युवराज नरेंद्र चंद्र सिंह, कुरूड़ मां नंदा राजजात यात्रा समिति के अध्यक्ष कर्नल हरेंद्र सिंह रावत, अल्मोड़ा मां नंदा देवी मंदिर समिति के अध्यक्ष मनोज वर्मा, पुरोहित अशोक गौड़, पुरोहित विनोद नौटियाल, राज परिवार के धीरेंद्र सिंह, अल्मोड़ा मां नंदा देवी मंदिर समिति संयोजक अमित साह मोनू, अर्जुन बिष्ट, राज परिवार के विक्रम सिंह साह और आशीष अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

राशन कार्डों की जांच एवं सत्यापन की कार्यवाही शुरू

लालकुआं संवाददाता. /आपूर्ति विभाग द्वारा राशन कार्डों की जांच एवं सत्यापन की कार्यवाही शुरू कर दी गई है। यह अभियान भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप चलाया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य असमर्थ व अपात्र व्यक्तियों को राशन कार्ड सूची से बाहर कर सरकारी सब्सिडी एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक एवं योग्य लाभार्थियों तक पहुंचाना है।राशन कार्ड सत्यापन और नवीनीकरण की इस प्रक्रिया को लेकर लालकुआँ तहसील में भारी भीड़ देखने को मिल रही है। बड़ी संख्या में लोग अपने राशन कार्ड के नवीनीकरण एवं सत्यापन के लिए आवेदन कर रहे हैं। इस संबंध में पूर्ति निरीक्षक मोहित कठायत ने बताया कि पूर्व शासन के निर्देश पर चलाए गए सत्यापन अभियान के दौरान करीब 130 राशन कार्ड अवैध पाए गए, जिन्हें निरस्त कर दिया गया है। इन निरस्त कार्डों के स्थान पर अब वास्तविक पात्र लाभार्थियों के नए राशन कार्ड बनाए जा रहे हैं, ताकि सही लोगों को समय पर राशन एवं अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके।प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे सत्यापन प्रक्रिया में सहयोग करें और आवश्यक दस्तावेजों के साथ समय पर आवेदन कर अपनी पात्रता सुनिश्चित करें।

अग्नि सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम में कर्मचारियों को दिया गया प्रशिक्षण

अल्मोड़ा संवाददाता. विकास भवन परिसर में गुरुवार को फायर स्टेशन अल्मोड़ा की ओर से अग्नि सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कर्मचारियों को आग से बचाव, सुरक्षित निकासी और अग्निशमन उपकरणों के प्रयोग की व्यावहारिक जानकारी दी गई। कार्यक्रम वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अल्मोड़ा देवेन्द्र पींचा के निर्देशन तथा मुख्य अग्निशमन अधिकारी नरेंद्र सिंह कुंवर के पर्यवेक्षण में संपन्न हुआ। प्रभारी फायर स्टेशन अल्मोड़ा के नेतृत्व में पहुंची अग्निशमन टीम ने विकास भवन में स्थापित अग्निशमन उपकरणों का निरीक्षण करते हुए उनकी कार्यक्षमता परखी। इस दौरान उपस्थित स्टाफ को आग के विभिन्न प्रकारों, आग लगने की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया, सुरक्षित बाहर निकलने की प्रक्रिया और बचाव कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के बारे में विस्तार से बताया गया। अग्निशमन टीम ने डेमो के माध्यम से उपकरणों के सही संचालन की प्रक्रिया को व्यावहारिक रूप से समझाया और आग लगने के प्रमुख कारणों के साथ बचाव के उपायों की भी जानकारी दी। कर्मचारियों को यह भी प्रेरित किया गया कि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत फायर स्टेशन को सूचना दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

रेकिट बेंकिजर कंपनी ने 390 छात्र-छात्राओं को दी छात्रवृत्ति

शक्तिफार्म, संवाददाता औद्योगिक पार्क स्थित रेकिट बेंकिजर कंपनी प्रबंधन ने क्षेत्र के 390 छात्र-छात्राओं को वार्षिक ज्ञान ज्योति छात्रवृत्ति प्रदान की। कंपनी के वार्षिक आयोजन में सितारगंज इंटर कॉलेज, बालिका इंटर कॉलेज, शक्तिफार्म इंटर कॉलेज एवं बालिका इंटर कॉलेज के कुल 390 विद्यार्थियों को यह छात्रवृत्ति दी गई।शुक्रवार को शक्तिफार्म में आयोजित कार्यक्रम में कंपनी के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट गौरव जैन ने बताया कि वर्ष 2010 से कंपनी ने होनहार छात्र-छात्राओं को वार्षिक छात्रवृत्ति के तहत निधरित राशि प्रदान की जाती है, जिससे वे अपनी स्कूल फीस जमा कर पाते हैं। इस वर्ष कक्षा 11 और 12 में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति के लिए चयनित किया गया। उन्होंने बताया कि कंपनी की ओर से दी जाने वाली यह छात्रवृत्ति मेधावी विद्यार्थियों की पूरे वर्ष की स्कूल फीस का वहन करती है। यहां मेधावी छात्र शेखर हाल्दार, अंकिता विश्वास, सागर सरदार, महनूर, संजीता हाल्दार, अंकुर सिंह राणा, पवन शर्मा को बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन कंपनी के एचआर रमाकांत कौशिक ने किया। यहां साइट हेड जेपी सिंह, एचआर हेड रोहित वर्मा, एचआर एक्जीक्यूटिव राजप्रीत कौर, प्राचार्या अर्चना पाठक, बलमुकुंद तिवारी, रवीन्द्र पाठक, मनीषा अग्रवाल मौजूद रहे।

विधायक कैड़ा ने रामगढ़ के रीठापोखरा मै सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम मै सुनी ग्रामीणों की समस्या अधिकारियो को दिये समस्याओं का समाधान करने के निर्देश

भीमताल संवाददाता. विधायक राम सिंह कैड़ा ने रामगढ़ ब्लॉक के रीठापोखरा मै जन जन की सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम मै ग्रामीणों की समस्याओं को सुना ग्रामीणों ने सड़क, बिजली, पानी,स्वास्थ्य शिक्षा,आदि समस्याओं को विधायक कैड़ा के सम्मुख रखा, विधायक कैड़ा ने अधिकारियो से ग्रामीणों की मूल भुत समस्याओं का समाधान करने के करने के निर्देश दिये! जन जन की सरकार जनता के द्वारा कार्यक्रम मै ग्रामीणों की समस्याओ का समाधान मौके पर किया है! विधायक कैड़ा ने कहा हमारी सरकार का प्रयास है गाँव के अंतिम छोर पर खडे व्यक्ति की समस्याओ का समाधान हो जिस दिशा मै हमारी सरकार कार्य कर रही है, विधायक ने अधिकारियो से सरकार की योजनाओं का लाभ गाँव के अंतिम छोर पर रहने वाले व्यक्ति तक पहुंचाने को कहा! विधायक कैड़ा ने कहा मुख्यमंत्री धामी की सरकार जनता के द्वार पहुंचकर जनता की छोटी बड़ी समस्याओं का समाधान करने हेतु लगातार कार्य कर रही है विधायक कैड़ा ने अधिकारियो को अपनी जिम्मेदारी का निर्वाहन करते हुए जनता की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिये! इस दौरान राज्य मंत्री शांति महरा, मण्डल अध्यक्ष अंकित पाण्डेय, जिला मंत्री कुंदन चिलवाल, कमलेश बिष्ट, देवेंद्र बिष्ट, मोहन बिष्ट, सहित विभाग के अधिकारी जनप्रतिनिधि गण मौजूद रहे!

आनंद खेड़ा के पास सवारी से भरे टेंपो और कैंटर की जोरदार भिड़ंत

दिनेशपुर संवाददाता. /जाफरपुर मार्ग पर आनंद खेड़ा के पास सवारी से भरे टेंपो और कैंटर की जोरदार भिड़ंत हो गई, जिसमें टेंपो में सवार कई यात्री और स्कूली बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी

कि टेंपो के परखच्चे तक उड़ गए। आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने घायलों को टेंपो से निकाल कर निजी वाहन से अस्पताल पहुंचाया।चिकित्सकों ने घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कैंटर चालक को हिरासत में ले लिया है साथ ही दोनों वाहनों को भी कब्जे में लेकर पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कैंटर चालक तेज रफ्तार में था।

हिन्दी दैनिक जोखिम

देवभूमि का स्वाद अब सात समंदर पार

-हिमालयन ट्राउट मछली यूएई में भायी, राज्य के ट्राउट मछली पालकों को मिलेगा अन्तरराष्ट्रीय बाजार।

-उत्तराखण्ड से ट्राउट मछली का प्रति माह 20 टन का एक्सपोर्ट होगा

-कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा की गल्फ फूड 2026 में इंवेस्टर्स व एक्सपोटर्स से हुई वार्ता में बनी सहमति

सितारगंज। संवाददाता उत्तराखण्ड की ट्राउस मछली अब खाड़ी देशों में बिकेगी। राज्य के पशुपालन, दुग्ध विकास, मत्स्य पालन, गन्ना विकास व चीनी उद्योग मंत्री सौरभ बहुगुणा इन दिनों गल्फ फूड 2026 में भाग लेने यूएई गये हुए हैं। उनके साथ राज्य के सचिव डॉ बीवीआर पुरुषोत्तम व गन्ना आयुक्त त्रिलोक सिंह मर्तोलिया व विभागीय अधिकारी भी गये हैं।कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने बताया कि हिमालयन ट्राउट मछली को यूएई में काफी पसंद किया जा रहा है। यूएई में इंवेस्टर्स व एक्सपोटर्स से हुई वार्ता में प्रति माह करीब 20 टन ट्राउट मछली की डिमांड मिल रही है। अभी राज्य में ट्राउट मछली का वजन दो किग्रा के करीब है। जबकि डिमांड के अनुसार मछली का वजन करीब तीन किग्रा होना चाहिये। राज्य सरकार मछली उत्पादकों को पौष्टिक आहार मुहैय्या करायेगी। ताकि ट्राउट मछली का वजन करीब तीन किग्रा हो सके। मंत्री सौरभ बहुगुणा ने बताया कि सितारगंज में एक्वापार्क स्थापित हो रहा है। जिसमें प्रोसेसिंग यूनिट लगाकर फिले के रूप में करीब 250 से 300 ग्राम के पीस बनाकर व पैकिंग कर एक्सपोर्ट किया जायेगा। उन्होंने बताया कि विभाग अगले छह माह में एक्सपोर्ट के लिए सारी औपचारिकतायें पूरी करेगा। तथा लक्ष्य रखा गया है कि अगले सात माह में एक कंटनर यानि 20 टन ट्राउट मछली यूएई को एक्सपोर्ट कर दी जायेगी। उन्होंने कहा कि मछली का वजन बढ़ाने के लिए पौष्टिक आहार में मछली पालकों को अतिरिक्त बोझ नहीं पड़े इसके लिए अनुदान के लिए सरकार कदम उठायेगी। इससे राज्य के मछली पालकों को अन्तरराष्ट्रीय बाजार मिलेगा तथा आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

वर्जन

कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने बताया कि दुबई में आयोजित गल्फ फूड 2026 के वैश्विक मंच पर देवभूमि की सशक्त उपस्थिति दर्ज कराते हुए गर्व की अनुभूति हो रही है। यहां उपस्थित होने का उद्देश्य केवल प्रतिभाग करना नहीं, बल्कि उत्तराखंड के मत्स्य पालकों और पशुपालकों के परिश्रम को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाना है। पूरी टीम यहां एक स्पष्ट विजन के साथ जुटी है कि कैसे अपने हिमालयन मीट, शुद्ध डेयरी उत्पादों और विशेष रूप से अपनी ट्राउट मछली को दुनिया के बड़े बाजारों तक पहुंचा सकें। इस दौरान पूरा जोर शर्निर्यात्स पर है और यह देखकर अत्यंत उत्साह होता है कि अलग-अलग देशों से आए अंतरराष्ट्रीय निर्यातकों और बड़े व्यापारिक समूहों ने हमारे उत्पादों में गहरी रुचि दिखाई है। कई प्रमुख ग्लोबल बायर्स के साथ हमारी सप्लाई चेन और भविष्य के निवेश को लेकर अत्यंत सार्थक चर्चाएं हुई हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि बहुत जल्द उत्तराखंड निर्यात के क्षेत्र में अपनी एक मजबूत और स्थाई पहचान बनाने जा रहा है। यह प्रयास न केवल राज्य के उत्पादों को ग्लोबल ब्रांड बनाएगा, बल्कि सीधे तौर पर हमारे दूरस्थ क्षेत्रों के किसानों और मत्स्य पालकों की आर्थिकी में एक क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। जब उत्तराखंड की वादियों की शुद्धता दुबई जैसे वैश्विक केंद्रों के माध्यम से दुनिया भर की थाली तक पहुंचेगी। प्रधानमंत्री के वोकल फॉर लोकल का मंत्र वास्तव में ग्लोबल होकर धरातल पर उतरेगा।

क्या है ट्राउट मछली

ट्राउट एक प्रकार की लोकप्रिय ठंडे और साफ पानी में पाई जाने वाली मीठे पानी की मछली है। यह मुख्य रूप से हिमालयी क्षेत्रों जैसे हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की नदियों में पाई जाती है। रेनबो ट्राउट और ब्राउन ट्राउट इसके प्रमुख प्रकार हैं। यह स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक है और इसे श्तेल युक्त मछलीश भी कहा जाता है। यह मछली अत्यधिक ठंडे यानि (10से 20डिग्री सेल्सियस और बहते हुए साफ पानी में रहती है। यह ओमेगा-3 फैटी एसिड, प्रोटीन और अन्य पोषक तत्वों का एक बड़ा स्रोत है, जो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। यह मछली 4000 फीट से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में पालन-पोषण के लिए एकदम उपयुक्त है। यह छह महीने में तैयार हो जाती है। वजन बढ़ाने के लिए अतिरिक्ति समय लग सकता है। यह हृदय रोगियों के लिए फायदेमंद मानी जाती है और इसमें ओमेगा-6 भी पाया जाता है। यह अपनी स्वादिष्टता के कारण फाइव स्टार होटलों में काफी मांग में रहती है। खाड़ी देशों में इसकी काफी डिमांड रहती है।

जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक में लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश

अल्मोड़ा संवाददाता. विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समन्वय समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों और बैंकिंग संस्थानों के बीच समन्वय मजबूत करने तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया गया। बैठक में लंबित प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा करते हुए उनके समयबद्ध निस्तारण के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान स्वरोजगार योजना 2.0 के अंतर्गत लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने, पर्यटन क्षेत्र से जुड़ी पहलों की प्रगति की समीक्षा, आवश्यक दस्तावेजों की समय पर पूर्ति तथा दीन दयाल उपाध्याय ग्राम विकास योजना के प्रभावी संचालन पर विशेष चर्चा हुई। इसके साथ ही ऋण वितरण प्रक्रिया को सरल और सुचारु बनाने, मानक संचालन प्रक्रियाओं में सुधार, शिकायत निवारण तंत्र को सशक्त करने और खाद्य प्रसंस्करण से संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा देने जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि विभिन्न विभाग आपसी तालमेल के साथ कार्य करें और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पारदर्शिता के साथ पहुंचाया जाए। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता और समयबद्धता को प्राथमिकता देने पर भी जोर दिया, ताकि आमजन को अधिकतम लाभ मिल सके। बैठक में परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण एन. तिवारी, लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर सहित विभिन्न बैंक प्रतिनिधि, वित्त, उद्यान और कृषि विभाग के अधिकारी, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, रीप तथा आरबीआईसी हवालबाग समेत अन्य विभागों और संस्थानों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सात घंटे के भीतर लापता युवती सकुशल बरामद

अल्मोड़ा संवाददाता. कोतवाली द्वाराहाट पुलिस और एसओजी टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घर से लापता हुई एक युवती को सात घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। युवती मानसिक रूप से अस्वस्थ बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार 29 जनवरी 2026 को द्वाराहाट क्षेत्र निवासी अर्जुन सिंह ने डायल 112 पर सूचना दी कि उनकी 23 वर्षीय पुत्री बिना बताए घर से कहीं चली गई है। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक कोतवाली द्वाराहाट विनोद जोशी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल खोजबीन शुरू कर दी। संभावित स्थानों पर तलाश और सुरागरसी के बाद मोहान चेक पोस्ट क्षेत्र से युवती को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। तलाश अभियान में प्रभारी एसओजी सुनील धानिक के नेतृत्व में एसओजी टीम ने भी सहयोग किया। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक भगवान सिंह, हेड कांस्टेबल चंद्रप्रकाश और कांस्टेबल रामेश्वर सिंह शामिल रहे। युवती के सकुशल मिलने पर परिजनों ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई के लिए आभार व्यक्त किया।

यूजीसी के नए नियमों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

पिथौरागढ़ संवाददाता. अखिल भारतीय समानता मंच ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए नियमों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। नए नियमों को सामान्य वर्ग के लिए घिनौना षडयंत्र बताते हुए मंच ने डीएम के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, यूजीसी आयोग को पत्र भेजा है। शुक्रवार को अखिल भारतीय समानता मंच से जुड़े लोग टकाना रामलीला मैदान में एकत्र हुए और यूजीसी के नए बिल को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय संविधान में समानता की मूल भावना का जिक्र है। जनसहभागिता पार्टी के अध्यक्ष एडवोकेट केसी पंत ने केंद्र सरकार से नए नियम रद करने की मांग की। इस दौरान कैलाश पुनेठा, अनिल चंद, शमशेर सिंह महर, डीएस भंडारी, गोविंद सिंह बिष्ट, सुभाष चंद्र जोशी, केएस अधिकारी, योगेश बोरा, प्रह्लाद सिंह बिष्ट, देव सिंह बिष्ट, रोहित उप्रेती, शंकर दत्त पंत, दिनेश भट्ट, दीप जोशी, दिनेश चंद्र उपाध्याय, धीरेंद्र सिंह भंडारी, हेम चंद्र पाण्डेय, त्रिभुवन खोलिया, आरएस खनका, महिपाल सिंह डोभाल, रमेश सिंह बिष्ट, भुवन चंद्र उपाध्याय, सुबोध सिंह बिष्ट, प्रवीण सिंह रावल, दयानंद भट्ट, भाष्करानंद जोशी आदि थे।

अल्मोड़ा बैडमिंटन कप 2026 की आधिकारिक टी-शर्ट का विमोचन

अल्मोड़ा संवाददाता. जिला बैडमिंटन संघ अल्मोड़ा की ओर से आयोजित और नैनीताल बैंक के प्रायोजन में होने वाले अल्मोड़ा बैडमिंटन कप 2026 की आधिकारिक टी-शर्ट का विमोचन गुरुवार को हेमवती नंदन बहुगुणा इंडोर बैडमिंटन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में किया गया। इस अवसर पर नैनीताल बैंक की प्रशासनिक टीम, जिला बैडमिंटन संघ के पदाधिकारी तथा उप क्रीड़ा अधिकारी संयुक्त रूप से मौजूद रहे। आगामी 3 और 4 फरवरी 2026 को आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में विभिन्न आयु वर्ग के खिलाड़ियों के बीच मुकाबले खेले जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान मिष्ठान वितरण भी किया गया और जिला मीडिया प्रभारी डी. के. जोशी को गोवा में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग के लिए शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में नैनीताल बैंक के उप क्षेत्रीय प्रबंधक दिगंबर कथेत, हरीश अधिकारी, हिमांशु राज, अरविंद जोशी और सोमिल अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में बैडमिंटन खिलाड़ी उपस्थित रहे।

पिथौरागढ़ में शहीद दिवस पर मौन रखकर दी श्रद्धांजलि

पिथौरागढ़ संवाददाता. भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों की स्मृति में शहीद दिवस मनाया गया। शासकीय, अर्धशासकीय कार्यालयों, शैक्षिक संस्थानों,आईटीबीपी,पुलिस कार्यालय सहित अन्य स्थानों में दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। शुक्रवार को डीएम कार्यालय में डीएम आशीष भटगांई सहित अन्य कर्मियों ने शहीद दिवस पर दो मिनट का मौन रखा। पुलिस कार्यालय में सीओ केएस रावत सहित अन्य पुलिस कर्मियों ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

हिन्दी दैनिक जोखिम

सैन्य अधिकारी की पत्नी का रोल एक अलग अनुभव, उनमें ताकत और डर का मिश्रण : चित्रांगदा सिंह

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह अपकमिंग फिल्म बैटल ऑफ गलवान में एक सैन्य अधिकारी की पत्नी के किरदार में नजर आएंगी। इस रोल की तैयारी के दौरान उन्होंने मिलिट्री परिवारों की महिलाओं की ताकत और अंदरूनी भावनात्मक डर को गहराई से समझा। चित्रांगदा ने कहा कि इस किरदार ने उन्हें अपनी मां और ऐसी तमाम महिलाओं के संघर्ष को बेहतर तरीके से महसूस कराया। एक इंडियन आर्मी ऑफिसर की बेटी होने के नाते चित्रांगदा को यूनिफॉर्म, बार-बार पोस्टिंग और अनुशासित जीवन की आदत पहले से थी। लेकिन फिल्म के लिए आर्मी पत्नियों से मिलने और उनकी कहानियां सुनने के बाद उन्होंने कहा, मेरे पिता आर्मी में थे, उनकी कहानियां सुनना मेरे लिए सामान्य था। लेकिन एक आर्मी पत्नी का रोल निभाना बिल्कुल अलग अनुभव है। जब मैं उन महिलाओं से मिली, तो मुझे अपनी मां की खामोशी, गर्व और चिंता का मिश्रण समझ आया। चित्रांगदा ने आगे कहा, ये महिलाएं हर दिन ताकत और डर दोनों को अपने अंदर संजोकर रखती हैं। मैंने रोल में सिर्फ हिम्मत या मुस्कान नहीं, बल्कि उस भावना को भी दिखाने की कोशिश की, जहां दिल टूटने के बावजूद खुद को संभालना सीखना पड़ता है।

फिल्म में वह उन भारतीय महिलाओं का प्रतीक बनती दिखेंगी, जो वर्दी पहने सैनिकों के पीछे मजबूती से खड़ी रहती हैं। फिल्म में चित्रांगदा, सलमान खान के किरदार के लिए इमोशनल सहारा बनती हैं। वह कहानी में कोमलता, गरिमा और स्थिरता का पुट लाती नजर आएंगी।बैटल ऑफ गलवान 15 जून 2020 को गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प पर आधारित है। यह टकराव लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर हुए बड़े सीमा विवाद का हिस्सा था। इस लड़ाई में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे।अपूर्व लाखिया के निर्देशन में तैयार फिल्म 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। चित्रांगदा सिंह और सलमान खान के साथ फिल्म में अंकुर भाटिया, अभिलाष चौधरी, विपिन भारद्वाज और सिद्धार्थ जैसे सितारे नजर आएंगे।

श्रुति हासन : विरासत से नहीं, टैलेंट से बनीं सफल अभिनेत्री और गायिका

भारतीय सिनेमा में कुछ नाम ऐसे हैं, जो सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं हैं। ये नाम अपनी बहुआयामी प्रतिभा से एक अलग पहचान बनाते हैं। 28 जनवरी को अपना जन्मदिन मनाने वालीं श्रुति कमल हासन ऐसी ही एक शख्सियत हैं। एक सफल अभिनेत्री, गायिका, संगीतकार और परफॉर्मर, जिनकी पहचान केवल एक स्टार किड के तौर पर नहीं, बल्कि एक मेहनती और टैलेंटेड आर्टिस्ट के रूप में बनी है। 1986 में जन्मीं श्रुति हासन, भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता कमल हासन और मशहूर अभिनेत्री सारिका ठाकुर की बेटी हैं। हासन परिवार में जन्म लेने के बावजूद श्रुति ने अपनी राह खुद बनाई। वह न सिर्फ एक सफल अभिनेत्री हैं, बल्कि एक स्थापित गायिका और म्यूजिक कंपोजर भी हैं, जिन्होंने तमिल, तेलुगु और हिंदी सिनेमा में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। श्रुति ने चेन्नई के एबाकस मोंटेसरी स्कूल में पढ़ाई की और दसवीं तक वहीं शिक्षा ग्रहण की। इसके बाद मुंबई के सेंट एंड्रयूज कॉलेज से साइकोलॉजी की पढ़ाई की। बचपन से ही उन्हें संगीत और सिनेमा में गहरी रुचि थी। इसी लगाव ने उन्हें आगे चलकर अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित म्यूजिशियंस इंस्टीट्यूट तक पहुंचाया, जहां उन्होंने संगीत की औपचारिक ट्रेनिंग ली।महज छह साल की उम्र में श्रुति हासन ने अपने पिता की फिल्म थेवर मगन (1992) में पहला गाना गाया, जिसे इलैया राजा ने कंपोज किया था। इसके बाद स्कूल के दिनों में उन्होंने हिंदी फिल्म चाची 420 (1997) में भी गायन किया। साल 2000 में कमल हासन के निर्देशन में बनी फिल्म हे राम में उन्होंने बाल कलाकार के रूप में अतिथि भूमिका निभाई और उसी फिल्म के लिए हिंदी और तमिल में टाइटल थीम रामा रामा भी गाई।

एक अभिनेत्री के तौर पर श्रुति ने वयस्क भूमिका में डेब्यू 2009 में बॉलीवुड फिल्म 'लक' से किया। इसके बाद उन्होंने दक्षिण भारतीय सिनेमा की ओर रुख किया और यहीं से उनका करियर नई ऊंचाइयों पर पहुंचा।

श्रुति को असली पहचान तेलुगु फिल्म अनागनगा ओ धीरुडु (2011) से मिली। इन फिल्मों में उनके अभिनय ने उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट फीमेल डेब्यू साउथ दिलाया। इसके बाद उन्होंने कई सफल फिल्मों में काम किया। रेस गुर्रम (2014) में दमदार भूमिका के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट एक्ट्रेस तेलुगु मिला। कुल मिलाकर श्रुति के नाम तीन फिल्मफेयर अवॉर्ड्स सहित कई सम्मान दर्ज हैं।हिंदी सिनेमा में श्रुति हासन ने डी-डे, रामैया वस्तावैया, गब्बर इज बैक, वेलकम बैक, रॉकी हैंडसम जैसी फिल्मों में काम किया। जहां कुछ फिल्मों को समीक्षकों की सराहना मिली, वहीं कुछ बॉक्स ऑफिस पर सफल रहीं। अभिनय के साथ-साथ संगीत श्रुति हासन की पहचान का अहम हिस्सा है। वह एक स्थापित पार्श्व गायिका हैं। साल 2009 में उन्होंने अपने पिता के प्रोडक्शन उन्नैपोल ओरुवन से बतौर म्यूजिक डायरेक्टर भी डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने अपना खुद का म्यूजिक भी तैयार किया और बैंड के जरिए अपनी अलग पहचान बनाई।

श्रुति हासन का सफर इस बात का प्रमाण है कि पहचान नाम से नहीं, काम से बनती है और सुर, स्क्रीन और संवेदनाओं का यह संगम अभी और भी लंबा चलना है।

एक साल, कई रोल्सः एक्टिंग डेब्यू से वर्ल्ड टूर तक, बर्थडे पर मुन्नवर फारूकी का रिफ्लेक्शन

आज अपना जन्मदिन मना रहे एक्टर मुन्नवर फारूकघे इस बार किसी ग्रैंड पार्टी के मूड में नहीं हैं। बड़े जश्न की जगह मुन्नवर ने फैसला किया है कि वह अपना खास दिन अपने बेहद करीबी दोस्तों और परिवार के साथ सादगी से मनाएंगे। लगातार व्यस्त और कामयाब रहे साल के बाद, मुन्नवर ने अपने टाइट शेड्यूल से थोड़ा ब्रेक लेकर अपनों के साथ इस नए साल की शुरुआत करने का मन बनाया है। प्रोफेशनल फ्रंट पर बीता साल मुन्नवर के लिए काफी इवेंटफुल रहा। उन्होंने फर्स्ट कॉपी से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की, जिसे दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला और बाद में इसका दूसरा सीजन भी आया। एक्टिंग के साथ-साथ मुन्नवर ने अपनी पहली इंटरनेशनल स्टैंड-अप वर्ल्ड टूर भी पूरी की, जहां उन्होंने कई देशों में परफॉर्म किया। इसके अलावा, वह पति पत्नी और पंगा, द सोसाइटी सीजन 1, हफ्ता वसूली जैसे पॉपुलर रियलिटी शोज को भी होस्ट करते नजर आए। पिछले साल को याद करते हुए मुन्नवर ने कहा कि वह अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर दर्शकों से मिले प्यार और सपोर्ट के लिए बेहद आभारी हैं। उन्होंने साझा किया,पिछला साल मेरे लिए बहुत खास और बेहद बिजी रहा। फर्स्ट कॉपी के साथ मेरा पहला एक्टिंग प्रोजेक्ट करना और उसके दोनों सीजन्स को इतना प्यार मिलना, फिर अपनी स्टैंड-अप कॉमेडी को पहली इंटरनेशनल वर्ल्ड टूर तक ले जाना, यह सब मेरे लिए सीख और ग्रोथ से भरा रहा। मैं दर्शकों का दिल से शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझे इतने अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर अपनाया और तरह-तरह का काम करने का मौका दिया। इस साल मैं कुछ नया एक्सप्लोर करना चाहता हूं और खुद को क्रिएटिवली चौलेंज करना चाहता हूं।

मैं हर पल को जी रही हूं, जन्मदिन पर शहनाज गिल ने शेयर किया सेलिब्रेशन का वीडियो

पंजाब की कटरीना के नाम से मशहूर अभिनेत्री शहनाज गिल मंगलवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। अभिनेत्री ने अपना जन्मदिन परिवार और करीबी दोस्तों के साथ धूमधाम से सेलिब्रेट किया। इस सेलिब्रेशन का वीडियो उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इसमें शहनाज को केक काटते हुए और सबके साथ हंसते-खेलते दिखाया गया। वीडियो के आखिर में शहनाज सभी के साथ डांस करती दिख रही हैं। साथ ही शहनाज ने भांगड़ा भी किया। वीडियो में सभी के साथ शहनाज बेहद खुश और एनर्जेटिक नजर आ रही हैं। उन्होंने लिखा, आज 27 तारीख है और मैं अपने हर पल को पूरी तरह जी रही हूं। जन्मदिन मुबारक हो मुझे।अभिनेत्री का यह अंदाज फैंस को काफी पसंद आ गया। वे शहनाज के डांस की जमकर तारीफ कर रहे हैं और जन्मदिन की बधाई भी दे रहे हैं।पंजाब के जालंधर की रहने वाली शहनाज गिल ने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। इसके बाद उन्हें एक म्यूजिक वीडियो में काम मिला। फिर, उन्होंने माझे दी जट्टी और पिंड दियां कुड़ियां जैसे कई गाने किए, लेकिन लोगों की नजर अभिनेत्री पर गैरी संधू की बेबी से पड़ी थी। इसके बाद शहनाज ने पंजाबी फिल्म सत श्री अकाल और काला-शा-काला में काम किया।

अभिनेत्री साल 2019 में बिग बॉस 13 में नजर आई थीं।

दलदल के सेट पर समारा तिजोरी ने भूमि पेडनेकर को किया इंप्रेस

मच अवेटेड साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर 'दलदल' में भूमि सतीश पेडनेकर के साथ समारा तिजोरी और आदित्य रावल अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह सीरीज खौफनाक हत्याओं, ड्रग्स और एक खतरनाक पीछा-पकड़ की कहानी दिखाती है। हाल ही में भूमि ने अपने को-स्टार्स के साथ काम करने के अनुभव साझा किए और बताया कि वे उनसे काफी प्रभावित और प्रेरित हुईं। भूमि ने कहा,समारा तिजोरी इस पीढ़ी की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक होंगी। मैंने कई अच्छे कलाकारों के साथ काम किया है, लेकिन समारा और आदित्य वाकई खास हैं। यह उनके करियर की बस शुरुआत है। ऐसे किरदार निभाने के लिए ऐसे ही सच्चे कलाकारों की जरूरत होती है। उन्होंने आगे कहा,मैंने उनके साथ किए हर सीन में देखा कि वे अपने काम को कितनी गंभीरता से लेते हैं और हर सीन के लिए खुद को कैसे तैयार करते हैं।दलदल में भूमि एक सख्त और निडर पुलिस अफसर डीसीपी रीटा फरेरा की भूमिका निभा रही हैं, जो एक खतरनाक

सेवा सप्ताह के तहत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को श्रम-न्यूनीकरण उपकरण एवं पशु सखियों को स्मार्टफोन किए वितरित

देहरादून संवाददाता. कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी के जन्मदिवस

(31 जनवरी) के अवसर पर जनसेवा की भावना से समर्पित "सेवा सप्ताह" के अंतर्गत आज देहरादून के एक निजी होटल में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा ग्रामोत्थान परियोजना (रिप) के तहत ड्रजरी न्यूनीकरण उपकरण एवं स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी द्वारा 8 क्लस्टर लेवल फेडरेशन (ब्स्थ्) एवं 45 ग्राम संगठनों से जुड़ी महिलाओं को कुल 1575 श्रम-न्यूनीकरण उपकरण वितरित किए गए। साथ ही देहरादून जनपद की 26 तथा हरिद्वार जनपद की 16 पशु सखियों को स्मार्टफोन प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी का केक काटकर जन्मदिवस मनाया गया तथा उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके दीर्घायु की कामना की गई। ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि ग्रामीण महिलाएं कृषि, पशुपालन एवं घरेलू कार्यों में प्रतिदिन अत्यधिक शारीरिक श्रम करती हैं। आज भी निराई-गुड़ाई, चारा संग्रहण एवं प्रसंस्करण जैसे कार्य पारंपरिक तरीकों से किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि आज वितरित किए गए श्रम-न्यूनीकरण उपकरण महिलाओं के श्रम को कम करने, उत्पादकता बढ़ाने, समय की बचत करने के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य एवं सम्मान की रक्षा में सहायक सिद्ध होंगे। इससे महिलाएं अपनी ऊर्जा आय-वर्धक गतिविधियों, बच्चों की शिक्षा तथा परिवार के समग्र विकास में अधिक प्रभावी रूप से लगा सकेंगी।

संक्षिप्त समाचार...

शिविर में 615 ग्रामीणो को सरकारी योजनाओं का लाभ मिला

विकासनगर संवाददाता. 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' प्रशासन गांव की ओर अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को ग्राम पंचायत खाड़ी के खेल मैदान लखवाड़ में बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किया गया। शिविर में अधिकारियों ने जन समस्याएं सुनते हुए अधिकांश समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया। शिविर में विभागों के माध्यम से 615 ग्रामीणों को जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ प्रदान किया गया।

कांग्रेस का मनरेगा समाप्त करने के खिलाफ धरना

विकासनगर संवाददाता. महात्मा गांधी की पुण्य तिथि पर शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत रुद्रपुर में धरना दिया। वक्ताओं ने कहा कि केंद्र सरकार मनरेगा को समाप्त कर राष्ट्रपिता का अपमान कर रही है। आरोप लगाया कि भाजपा सरकार गांधी के नाम को ही मिटाने की साजिश कर रही है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रामधुन गाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान हरबर्टपुर अध्यक्ष आशीष पुंडीर, जिला पंचायत सदस्य दिनेश, सरदार बलजीत सिंह, प्रेम, नसीर, वाजिद, हुकम सिंह, मनोज चौहान, विनीत आदि मौजूद रहे।

सामान बाजार गई नाबालिग दो दिन से लापता

विकासनगर संवाददाता. सामान लेने बाजार गई एक नबालिग लड़की दो दिन से लापता है। नाबालिग का फोन भी स्विच ऑफ चल रहा है। पुलिस ने तहरीर के बाद गुमशुदगी दर्ज कर नाबालिग की खोजबीन शुरू कर दी है। एसएसआई शिशुपाल सिंह राणा ने बताया कि क्षेत्र के एक व्यक्ति ने तहरीर देकर बताया कि उसकी बड़े भाई की लड़की 28 जनवरी को सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे बड़ी बहन को यह कहकर निकली कि वह बाजार में निजी सामान खरीदने जा रही है। लेकिन इसके बाद वह काफी देर तक भी वापस नहीं आई।

स्वास्थ्य कर्मियों ने कुष्ठ रोग उन्मूलन की शपथ ली

विकासनगर संवाददाता. कुष्ठ रोग निवारण दिवस पर शुक्रवार को उप जिला चिकित्सालय विकासनगर में चिकित्सकों समेत पैरा मेडिकल कर्मियों ने कुष्ठ रोग और रोगियों के प्रति भेदभाव समाप्त करने के लिए शपथ ली। चिकित्सकों ने बताया कि कुष्ठ रोग निवारण दिवस वैश्विक स्तर पर कुष्ठ रोग को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाने, रोगियों को इलाज के लिए प्रेरित करने और कुष्ठ रोग के बारे में समाज में फैली हुई भ्रांतियों को दूर करने के लिए हर वर्ष 30 जनवरी को मनाया जाता है। सीएमएस डॉ. प्रदीप चौहान ने बताया कि कुष्ठ रोग माइकोबैक्टीरियम लेप्री जीवाणु से होने वाली बीमारी है। सभी सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में कुष्ठ रोग का उपचार निःशुल्क उपलब्ध है।

वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत पर मुकदमा

विकासनगर संवाददाता. बीती 25 जनवरी को स्कूटी सवार को टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ सहसपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक वाहन चालक के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। टक्कर से स्कूटी सवार की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। चांद खान पुत्र जागे खान निवासी जमनपुर सेलाकुई ने गुरुवार को सहसपुर कोतवाली में तहरीर दी है। बताया कि उसका पुत्र आमिर 25 जनवरी को शाम लगभग साढे सात बजे जमनपुर से सहसपुर अपने निजी कार्य के लिए स्कूटी से जा रहा था। रास्ते में जेबीआईटी कॉले के पास अज्ञात वाहन चालक ने स्कूटी को टक्कर मार दी और फरार हो गया।

02 जनवरी से 90 दिनों के लिये राष्ट्रव्यापी अभियान मीडियेशन फॉर द नेशन अभियान चलाया जा रहा

देहरादून संवाददाता. माननीय सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली के दिशा-निर्देशन पर देशभर के समस्त न्यायालयों में लम्बित वादों का मीडियेशन/मध्यस्थता के माध्यम से पक्षकारों के मध्य सुलह-समझौते के आधार पर अधिक से अधिक वादों का निस्तारण किये जाने हेतु देशभर में दिनांक 02 जनवरी 2026 से 90 दिनों के लिये राष्ट्रव्यापी अभियान डमकपंजपवद वित जीम छंजपवद 2.0 ब्ंउचंपहद (मीडियेशन फॉर द नेशन अभियान) चलाया जा रहा है। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देहरादून सीमा डुँगराकोटी द्वारा बताया गया कि उक्त अभियान के माध्यम से विवादों का त्वरित, सरल एवं सौहार्दपूर्ण समाधान उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। इससे विवादों का शीघ्र निस्तारण होता है।

समय व खर्च की बचत होती है। गोपनीयता बनी रहती है, आपसी सम्बंधों में सौहार्द और विश्वास कायम रहता है तथा न्यायालयों पर मामलों का बोझ कम होता है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यह है कि लोग न्यायिक प्रक्रिया में समय, धन एवं मानसिक तनाव से बचते हुए आपसी सहमति से अपने विवादों का समाधान कर सकें। मध्यस्थता एक ऐसी प्रभावी प्रक्रिया है, जिसमें प्रशिक्षित मध्यस्थ की सहायता से पक्षकारों के बीच संवाद स्थापित कर विवाद का समाधान निकाला जाता है। यह अभियान विशेष रूप से पारिवारिक विवाद, वैवाहिक विवाद, सम्पत्ति सम्बंधी विवाद, किराया/मकानमालिक-किरायेदार विवाद, धन/लेन-देन से जुड़े विवाद, श्रम एवं अन्य नागरिक प्रकृति के मामलों में मध्यस्थता को प्रोत्साहित करता है। जनपद देहरादून के मा० न्यायालयों जैसे, देहरादून, विकासनगर, ऋषिकेश, डोईवाला, चकराता एवं मसूरी का कोई भी वादकारी, जिसका उक्त न्यायालयों में वाद लम्बित हों, इस अभियान का लाभ प्राप्त कर सकता है। अधिक जानकारी के लिये कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देहरादून से सम्पर्क किया जा सकता है।

प्रस्तावित अंडरपास को लेकर अखिल भारतीय किसान सभा एवं अन्य राजनीतिक दलों ने दिया ज्ञापन

डोईवाला संवाददाता। हरिद्वार से देहरादून जाने वाले एनएच 24 पर बनने वाले प्रस्तावित अंडरपास को लेकर अखिल भारतीय किसान सभा एवं अन्य राजनीतिक दलों ने तहसील मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन कर उप जिला अधिकारी महोदया को सौपा ज्ञापन। अखिल भारतीय किसान सभा के बैनर चले आज तहसील मुख्यालय डोईवाला पर प्रदर्शन करते हुए स्थानीय लोगों एवं किसान सभा सहित कांग्रेस जनो ने डोईवाला उपजिलाधिकारी को ज्ञापन प्रेषित करते हुए मांग की है कि उन्हें विश्वस्त सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि एनएचएआई द्वारा एनएच 34 पर जीवनवाला में एक व माजरी ग्रांट मे दो अंडर पास जिसमे एक माजरी प्रथम चौक व दूसरा डेंटल कॉलेज पर बनना प्रस्तावित है परन्तु माजरी ग्रांट का दूसरा चौक जो खैरा ढाबे के पास है उस पर विभाग कोई अंडर पास नहीं बना रहा है जिसको लेकर ग्रामीणों एवं क्षेत्रीय जन प्रतिनियों मे भारी रोष है। वक्ताओं ने कहा है कि खैरा ढाबे के पास वाले चौकपर अंडर पास बनना कई कारणों से जरूरी है जिसमे मुख्य कारण उक्त चौक पर ग्राम पंचायत भवन, आर टी ओ का फिटनेस सेंटर,राजकीय इंटर कॉलेज, गन्ना सेंटर, स्वस्थ केंद्र एवं पोस्ट ऑफिस जैसे कई महत्वपूर्ण संस्थान है जहाँ पर जनता को जाने के लिये काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उपस्थित लोगों ने कहा है कि यदि विभाग माजरी ग्रांट के इस महत्वपूर्ण चौक पर अंडर पास नहीं बनाता तो जनता को निर्णायक आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा। आंदोलन कर ज्ञापन देने वालों मे संयुक्त किसान मोर्चा के संयोजक ताजेंद्र सिंह, ब्लॉक प्रमुख गौरव सिंह चौधरी, किसान सभा जिलाध्यक्ष दलजीत सिंह, परवादून कांग्रेस के अध्यक्ष मोहित उनियाल, किसान सभा डोईवाला मंडल के अध्यक्ष बलबीर सिंह, मंडल सचिव याकूब अली, हेमा पुरोहित,जाहिद अंजुम, अनूप कुमार पाल, मलकीत सिंह, जसवीर सिंह, शमशाद अली, प्रेम सिंह पाल, हरबंस सिंह, पूरन सिंह, भविन्द्र सिंह, हरीश कुमार शर्मा, शुभम कंबोज आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

स्वामी, प्रकाशक एवम मुद्रक संजीव पंत द्वारा 19.सी, सुभाष रोड, पैसेफिक होटल के पीछे डूंगा हाउस देहरादून से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन्स डी-2, शिवलोक कालोनी लाडपुर, ब्लॉक रायपुर काली मन्दिर के पास, देहरादून से मुद्रित। सम्पादक - संजीव पंत , फोन नं0- 0135-2712118 , प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/33537 email: jokhimdehradun2006@gmail.com

ताज़ातरीन खबरों व सही जानकारी के साथ समाचार को विस्तार से पढ़ने के लिए लागआन करें हमारा newsportal:. jokhimnews.com